राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण बुधवार 17 जनवरी 2024 वर्ष-6,अंक-353 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## आप और कांग्रेस ने दिखाई फायदे वाली दोस्ती : शहजाद पूनावाला

नई दिल्ली। बीजेपी नेता शहजाद पूनावाला ने कहा है कि आप और कांग्रेस ने फायदे वाली दोस्ती की मिसाल पेश की है। उन्होंने नवजोत सिंह सिद्धू के आरोपों पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। बता दें कि कांग्रेस नेता नवजोत सिंह सिद्धू ने आम आदमी पार्टी की पंजाब सरकार पर अवैध रेत खनन का आरोप लगाया है। नवजोत सिंह सिद्धू के इन आरोपों पर अब बीजेपी ने प्रतिक्रिया देते हुए पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि आज फायदे वाली दोस्ती क्या होती है, ये आप और कांग्रेस दिखा रहे हैं। दिल्ली में दोस्त हैं और पंजाब में आपस में कुश्ती कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी ने पहले कहा था कि वे भ्रष्टाचार से कभी समझौता नहीं करेंगे और कांग्रेस को कभी हाथ नहीं मिलाएंगे। आज वे एक-दूसरे के साथ गठबंधन में हैं। उन्होंने पूरी तरह से यू-टर्न ले लिया है। इस तरह का पाखंडी गठबंधन आज बनाया जा रहा है। इसके ?लिए आम आदमी पार्टी और कांग्रेस को जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि दिल्ली विधानसभा में आप द्वारा एक प्रस्ताव पारित किया गया था कि राजीव गांधी से भारत रत्न वापस लिया जाना चाहिए क्योंकि वह 1984 के सिख नरसंहार के मास्टरमाइंड थे। अब क्या आम आदमी पार्टी ने राजीव गांधी को माफ कर दिया है या कांग्रेस पार्टी ने राजीव गांधी की भूमिका स्वीकार कर ली है? बीजेपी ने कहा कि इसका जवाब देना चाहिए। बता दें कि नवजोत सिंह सिद्धू ने आरोप लगाया था कि भगवंत मान की सरकार के संरक्षण में अवैध रेत खनन हो रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य में 39,000 करोड़ रुपये का भ्रष्टाचार भी किया गया है।

## राजौरी-पुंछ में आतंकी गतिविधियां बढ़ीं, लेकिन हालात काबू में : सेना प्रमुख

नई दिल्ली । जम्मू कश्मीर के राजौरी-पूंछ जिलों में आतंकी गतिविधियां बढ़ीं जरूर हैं, लेकिन हालात काबू में हैं। यह बात सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने कही। उन्होंने बताया कि यहां पर अब हालात ज्यदा खराब नहीं हैं, हालांकि राजौरी-पुंछ क्षेत्र और जम्मू क्षेत्र में पीर पंजाल के दक्षिणी क्षेत्र में कुछ आतंकवादी गतिविधियां बढ़ गई हैं। सेना प्रमुख ने यहां आयोजित सेना दिवस समारोह में कहा कि पिछले कुछ महीनों के दौरान बढ़ती आतंकवादी गतिविधियों पर गौर किया गया है। सुरक्षाकर्मियों के प्रयासों के कारण जम्मू-कश्मीर के अंदरूनी इलाकों में हिंसा और घुसपैठ में भी उल्लेखनीय गिरावट आई है। उन्होंने चीन का नाम लिए बिना पूर्वी लद्दाख विवाद पर कहा कि उत्तरी सीमा पर भी स्थिति स्थिर रहने के संकेत मिल रहे है। उन्होंने कहा कि यहां पर पर्याप्त संख्या में जवान तैनात हैं और यह संख्या बरकरार रखी जाएगी। इसी तरह पूर्वी लद्दाख पर जनरल पांडे ने कहा कि ऑपरेशनल तैयारियां उच्चस्तर पर की जा रही हैं, जबकि एलएसी मुद्दों का समाधान ढूंढने के लिए सैन्य और राजनयिक स्तर पर फिलहाल यहां बातचीत चल रही है।

## देपेन्द्र हुड्डा ने भगवान राम से बेरोजगारी, महंगाई, नशे से मुक्ति दिलाने का मांगा आशीर्वाद

चंडीगढ़ । कांग्रेस सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने अयोध्या पहुंचकर भगवान राम से प्रदेश में बेरोजगारी, महंगाई, नशे से मुक्ति दिलाने का आशीर्वाद मांगा है। हुड्डा 16 जनवरी को रोहतक से घर-घर कांग्रेस अभियान शुरु करने से पहले मकर संक्रांति के मौके पर दोबारा अयोध्या में रामलला की पूजा-अर्चना करने पहुंचे। इस अवसर पर उन्होंने पवित्र सरयू नदी में स्नान किया और भगवान् रामलला के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान दीपेन्द्र हुड्डा ने समस्त हरियाणावासियों की ओर से भगवान् राम से प्रार्थना की कि प्रदेश में शांति और भाईचारा बना रहे। उन्होंने भगवान् श्रीराम से हरियाणा की जनता की सेवा करने का आशीर्वाद माँगा। उन्होंने हनुमानगढ़ी जाकर हनुमान जी के दर्शन किए। इस अवसर पर उन्होंने कहाकि भगवान राम सबके हैं और करोड़ों लोगों के मन में बसते हैं। हुड्डा ने कहा कि मैं साल 2005 में राजनीति में आया तब से लेकर आज तक हजारों जनसभाएं, रैली की और हर रैली, सभा में मौजूद जन मानस का अभिवादन राम-राम से किया। आज उन्होंने भगवान् राम से प्रार्थना करते हुए देश में अमन और भाईचारे का वातावरण बनाने का आशीर्वाद मांगा उन्होंने कहा कि पारस्परिक सद्भावना के साथ हर देशवासी स्वस्थ और प्रसन्न रहें। भगवान राम की कृपा से समस्त भारतवासी महंगाई, बेरोजगारी और नशे जैसी बुराईयों से मुक्त होकर शांति के साथ अपना जीवन व्यतीत करें। उन्होंने कहा कि हरियाणा वो प्रदेश है जहां परस्पर अभिवादन भी राम-राम के साथ करते हैं। किसान-मजदूर, व्यापारी सभी अपने काम की शुरुआत राम का नाम लेकर करते हैं। हरियाणा वो प्रदेश है जहां हर व्यक्ति के अंदर राम बसे हैं। इस दौरान यूपी कांग्रेस प्रभारी अविनाश पांडेय, अध्यक्ष अजय राय, फरीदाबाद विधायक नीरज शर्मा, कांग्रेस के सोशल मीडिया विभाग की चेयरमैन सुप्रिया श्रीनेत, राष्ट्रीय सचिव अखिलेश प्रताप सिंह, धीरज गुर्जर आदि वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

## अपनी विश्वसनीयता खो चुके नीतिश कुमार : चिराग पासवान

पटना। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के मुखिया चिराग पासवान ने फिर सीएम नीतीश कुमार पर हमला कर कहा कि खरमास खत्म हो चुका है। अब मुख्यमंत्री क्या करवट लेते हैं, पता नहीं? चिराग ने कहा कि सीएम नीतीश अपनी

विश्वसनीयता खो चुके है। मुख्यमंत्री अपनी महत्वाकांक्षाओं को साधने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। वहीं राम मंदिर उद्घाटन पर चिराग ने कहा कि 22 तारीख को आने वाले राम मंदिर का सपना जो दशकों से हम लोगों से जुड़ा हुआ है, वह सपना संपूर्ण होने वाला है। पासवान ने कहा कि राम मंदिर को दशकों तक इन लोगों ने मुद्दा बनाया और राजनीति की। उन्होंने कहा कि धारा 370 की बातें इन लोगों ने मुद्दा बनाकर राजनीति की, उनका मुद्दा बनाया। इसके अलावा महिला आरक्षण बिल पर इन्होंने मुद्दा बनाया, लेकिन अब यह सब मुद्दे खत्म हो चुके। पीएम नरेंद्र मोदी ने इन सब मुद्दों से ऊपर काम किया, तब अब उनके सपने में बहुत कुछ आने लगे हैं।

## घने कोहरे के कारण घटी विजिबिलिटी, देरी से उड़ान भर रही फ्लाइट्स

नई दिल्ली । दिल्ली में शीतलहर की स्थिति लगातार बनी हुई है। यहां मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में कोहरे के कारण विजिविलिटी काफी कम थी, इसके चलते उत्तर भारत में कोहरे के कारण ट्रेनों से लेकर फ्लाइट्स तक प्रभावित हो रही हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक सफदरजंग में तापमान 4.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि पालम में तापमान 7.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से जाने वाली लगभग 30 उड़ानों में देरी हुई और 17 उड़ानों को मौसम की स्थिति के कारण रद्द भी कर दिया गया। यहां जीरो विजिबिलिटी के कारण रेलों की रफ्तार भी धीमी पड़ गई है। इस वजह से ज्यादातर रेलें देरी से चल रही हैं। एयरपोर्ट से कई उड़ानों को डायवर्ट भी करना पड़ा है। ऐसे में फ्लाइट से यात्रा करने वाले लोगों को काफी परेशानी हो रही है। बता दें कि इंडिगो फ्लाइट में हुए मुक्का कांड के बाद सोशल मीडिया पर कई तरह के वीडियो वायरल हो रहे हैं। इन वीडियो में खचाखच भीड़, घंटों की दैरी सड़क पर बैठे खाना खाते लोग दिखाई दे रहे हैं।

मिली खबर के मुताबिक फ्लाइट 10-10 घंटे की देरी से चल रही हैं, जिससे यात्रियों को काफी दिक्कत हो रही है। मौसम की बात करें तो राजधानी में न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इसके साथ ही कई यात्री अपने सामान के साथ हवाईअड्डे पर इंतजार करते हुए नजर आए। एक यात्री ने कहा ?कि मेरी फ्लाइट सुबह 8ः40 बजे रवाना होने वाली थी, लेकिन अब यह सुबह 10ः30 बजे रवाना होने वाली है। उन्होंने देरी का कारण मुख्य रूप से मौसम और कोहरा बताया है। दिल्ली एयरपोर्ट ने इस संबंध में एक एडवाइजरी जारी करते हुए कहा है, कि दिल्ली एयरपोर्ट पर कम दृश्यता के कारण उड़ानें प्रभावित हो रही हैं। यात्रियों से अनुरोध है कि वे उड़ान की अद्यतन जानकारी के लिए संबंधित एयरलाइन से संपर्क करें। इस बीच कोहरे के कारण कम दृश्यता के कारण 30 ट्रेनें भी देरी से चलीं। भारतीय मौसम विभाग ने कहा कि पालम और सफदरजंग हवाई अड्डों पर 500 मीटर की दृश्यता दर्ज की गई है। मौसम विभाग ने एक्स पर जारी रिपोर्ट में लिखा कि दिल्ली पालम (वीआईडीपी) और सफदरजंग हवाई अड्डे आज, 16 जनवरी को 5.30 बजे आईएसटी पर 500 मीटर दृश्यता की सूचना दे रहे हैं। वहीं घने कोहरे के चलते ट्रेनें भी घंटों-घंटों देरी से चल रही हैं।

## 22 जनवरी को बंगाल में 'सद्भावना रैली' निकालेंगी ममता बनर्जी, मंदिरों के अलावा मस्जिद, चर्च और गुरुद्वारे का करेंगी दौरा

**कोलकाता (एजेंसी)।** पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी 22 जनवरी को पूरे कोलकाता में एक अंतरधार्मिक रैली का नेतृत्व करेंगी। उसी दिन अयोध्या में राम मंदिर का उद्घाटन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि रैली रास्ते में मस्जिदों, मंदिरों, चर्चों और गुरुद्वारों को कवर करेगी। ममता ने इस पर बोलते हुए कहा कि मैं 22 जनवरी को एक रैली करूंगी। इसकी शुरुआत काली मंदिर से होगी, जहां मैं केवल मां काली की पूजा करने जाऊंगी। इसके बाद, हम हाजरा से पार्क सर्कस मैदान तक एक अंतरधार्मिक रैली करेंगे और वहां एक बैठक करेंगे। हम रास्ते में मस्जिदों, मंदिरों, चर्चों और गुरुद्वारों को कवर करेंगे। रैली में शामिल होने के लिए सभी का स्वागत है। रैली में सभी धर्मों के लोग मौजूद रहेंगे।

टीएमसी सुप्रीमो ने यह भी घोषणा की, उसी दिन, टीएमसी पार्टी के सदस्य दोपहर 3 बजे हर जिले में, हर ब्लॉक में एक रैली करेंगे। उन्होंने कहा कि कई लोग मुझसे

विभिन्न मंदिरों के बारे में पूछ रहे हैं लेकिन मेरे पास कहने के लिए कुछ नहीं है। मैंने हमेशा कहा है धर्म व्यक्तिगत है, त्योहार सार्वभौमिक है। इससे पहले ममता बनर्जी ने भाजपा पर निशाना साधा था। उन्होंने साफ तौर पर कहा था कि लोकसभा चुनाव से पहले राम मंदिर के उद्घाटन के जरिए भाजपा नौटंकी कर रही है। ममता बनर्जी ने कहा, मैं धार्मिक आधार पर जनता को बांटने में विश्वास नहीं करती। ममता ने साफ तौर पर कहा कि जब तक जिंदा हूं, समाज में बंटवारा नहीं होने दूंगी।

राम मंदिर का 'प्राण प्रतिष्ठा' समारोह 22 जनवरी को आयोजित किया जाएगा। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी उस दिन भव्य मंदिर में राम लला की मूर्ति की स्थापना में शामिल होने के लिए तैयार हैं। मंदिर के अधिकारियों के अनुसार, समारोह 16 जनवरी से शुरू होकर सात दिनों तक आयोजित किया जाएगा। समारोह के लिए राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से हजारों वीआईपी मेहमानों को निमंत्रण मिला है। ट्रस्ट ने सभी उपस्थित लोगों के स्वागत और सम्मान के लिए विस्तृत व्यवस्था की है, उन्हें उपहार दिए जा रहे हैं जिनमें 'राम राज' भी शामिल है। उत्सव के हिस्से के रूप में, तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट मेहमानों को प्रसाद के रूप में देसी घी से बने विशेष 'मोतीचूर के लड्डू' भी वितरित करेगा।

## श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह : मस्जिद के सर्वे पर रोक

### -सुप्रीम कोर्ट से हिंदू पक्ष को झटका

नई दिल्ली। मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मस्जिद विवाद के संबंध में सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा कदम उठाया है। सुप्रीम कोर्ट ने मस्जिद का सर्वे करने के लिए कमिश्नर नियुक्त करने के इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश को हिंदू पक्ष के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। दरअसल जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की बेंच ने मामले पर सुनवाई कर इलाहाबाद हाईकोर्ट की ओर से केस से जुड़े सारे मुकदमों को अपने पास सुनवाई के लिए ट्रांसफर करने के आदेश पर सवाल उठाया। कोर्ट ने कहा कि जब मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित था, तब हाईकोर्ट ने अपने पास केस को कैसे ट्रांसफर किया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इलाहाबाद हाईकोर्ट मामले में मेटनबिल्टी पर सुनवाई कर सकता है, लेकिन कमिश्नर नियुक्ति को लेकर हाईकोर्ट के जज आगे नहीं बढ़ सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने सुनाई के दौरान हिंदू पक्ष की दलीलों पर सवाल उठाकर कहा कि आपकी अर्जी बहुत अस्पष्ट है। आपको स्पष्ट रूप से बताना होगा कि आप क्या चाहते हैं। इसके अलावा ट्रांसफर का मामला इस न्यायालय में लंबित है। हमें उस पर भी फैसला लेना है। शीर्ष अदालत ने कोर्ट कमिश्नर की नियुक्ति के खिलाफ दाखिल मुस्लिम पक्ष की याचिका पर हिन्दू पक्ष को नोटिस जारी किया है। मामले पर अब 23 जनवरी को अगली सुनवाई होगी। बता दें कि इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 14 दिसंबर को शाही ईदगाह मस्जिद के सर्वेक्षण के लिए एक कोर्ट कमिश्नर की नियुक्ति पर सहमति दी थी। मामले में याचिकाकर्ताओं ने दावा किया था कि उस मस्जिद में हिन्दू प्रतीक चिह्न हैं, जिससे पता चलता है कि वह कभी हिंदू मंदिर था।

## ईडी को मेरा बयान लेना है तो 20 जनवरी को सीएम हाउस आ जाएं : सीएम सोरेन

रांची। बार बार ईडी को झटका दे रहे झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन ने अंततः अपना बयान दर्ज कराने के लिए ईडी को पत्र लिख दिया है। पत्र में सोरेन ने कहा है कि एजेंसी उनसे 20 जनवरी की दोपहर कांके रोड स्थित सीएम हाउस में आकर उनका बयान दर्ज कर ले। मूलबात ये है कि, रांची के बड़गाई अंचल में जमीन घोटाले की जांच कर रहे ईडी ने सीएम सोरेन को आठवीं बार समन भेजकर 16 से 20 जनवरी के बीच हाजिर होने को कहा था। इसके पहले उन्हें पहली बार 14 अगस्त 2023 को हाजिर होने के लिए समन भेजा गया था। इसके बाद 24 अगस्त, 9 सितंबर, 23 सितंबर, 4 अक्टूबर, 12 दिसंबर और 30 दिसंबर से 5 जनवरी के बीच उपस्थित होने के लिए समन भेजा गया था। ईडी ने सोरेन से कहा था कि अगर 16 से 20 जनवरी के बीच वे एजेंसी के समक्ष हाजिर नहीं होते हैं तो उसे खुद उनके पास आना पड़ेगा। ईडी ने कहा कि ऐसी स्थिति में विधि-व्यवस्था को लेकर चुनौतियां खड़ी हो सकती हैं। यह आपकी जिम्मेदारी होगी और इसलिए विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आप राज्य के मुख्य सचिव और डीजीपी को उचित निर्देश दे दें। इस बीच सीएम सचिवालय का एक संदेशवाहक सीलबंद लिफाफे में सीएम का पत्र लेकर रांची में एयरपोर्ट रोड स्थित ईडी के जोनल दफ्तर पहुंचा। इसमें सीएम ने 20 जनवरी को बयान दर्ज करने के लिए ईडी को सीएम हाउस आने को कहा है। उल्लेखनीय है कि रांची के बड़गाई अंचल की जमीन से जुड़े सरकारी दस्तावेज में छेड़छाड़ और जालसाजी के मामले की जांच के सिलसिले में ईडी सीए हेमंत सोरेन का बयान दर्ज करना चाहती है। इस मामले में आईएएस छवि रंजन सहित डेढ़ दर्जन लोगों को ईडी पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है।

## भारत की सबसे बड़ी ताकत डेमोक्रेसी है : उपराष्ट्रपति

### -धनखड़ बोले- भजनलाल का सीएम पद तक पहुंचना बदलते भारत का इशारा, ममता बनर्जी-गहलोत पर कही ये बड़ी बात

**जयपुर (एजेंसी)।** राजस्थान विधानसभा में विधायकों की प्रबोधन कार्यशाला के दौरान उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सदन के समक्ष अपना संबोधन रखा. इस दौरान धनखड़ ने पक्ष-विपक्ष के विधायकों को नसीहत देकर दायित्वों से रूबरू करवाया उपराष्ट्रपति ने अपने वक्तव्य की शुरुआत में सदन से अपनी राजनीतिक शुरुआत का जिक्र किया और अजमेर में मौजूदा स्पीकर वासुदेव देवनानी के साथ सियासी तकरार वाले रिश्तों का जिक्र करते हुए संबंधों की मर्यादा बताई। उन्होंने कहा कि मर्यादा में रहकर कटाक्ष और विरोध करना कोई देवनानी से सीखे उन्होंने सीएम भजनलाल शर्मा को लेकर कहा कि उन्हें मुख्यमंत्री बनने का सौभाग्य जिस तरीके से मिला है, उससे यह इशारा मिलता है कि भारत बदल गया है, अब सब कुछ मुमकिन है. उपराष्ट्रपति धनखड़ ने साथ ही मुख्यमंत्री शर्मा के लिए कम वक्त में हासिल लोकप्रियता को आगे बढ़ाने और कायम रख पाने की चुनौती भी बताई।

धनखड़ ने विधानसभा में प्रबोधन कार्यक्रम के उद्घाटन पर कहा कि भारत की सबसे बड़ी ताकत डेमोक्रेसी है उन्होंने देश के लोकतंत्र को सबसे पुराना और प्रभावी बताया उपराष्ट्रपति ने अपने भाषण में प्रजातंत्र के साथ-साथ देश की मजबूती के लिए कार्यपालिका को भी भागीदार बताया उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत की ब्यूरोक्रेसी में पहुंचने वाले अफसर दुनिया की सबसे मुश्किल परीक्षा पास कर इस मुकाम को हासिल करते है जगदीप धनखड़ ने कहा कि मैं 1989 में लोकसभा का सदस्य बना और केंद्र में मंत्री रहा, उस वक्त को याद करते हुए उन्होंने कहा कि हमारी अर्थव्यवस्था को बचाने के लिए सोने को गिरवी भी रखना पड़ा था. आज भारत दुनिया की 5वीं आर्थिक महाशक्ति बन चुका है. हमने कनाडा और फ्रांस को पीछे छोड़ा, आने वाले समय में भारत जापान को पीछे छोड़ देगा। धनखड़ ने कहा कि जिस रफ्तार से देश आगे बढ़ रहा है, दुनिया भी हैरान है. यह नेतृत्व और नीति बनाने वाले के लिए अहम है. अपनी नसीहत में धनखड़ ने कहा कि हम विकास को राजनीतिक चश्मे से नहीं देख सकते हैं, साथ ही राज्यसभा के सभापति के नाते अनुभवों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि किसी भी सदन में सदस्य का निलंबन करना सबसे बड़ी पीड़ा होती है. उप राष्ट्रपति ने राजनीतिक दलों से आग्रह करते हुए कहा कि आसन पर संदेह करना कभी ठीक नहीं रहेगा और हल्की फुल्की बातों को दिल पर नहीं लेना चाहिए, ऐसा होने पर ही सदस्य अपनी प्रतिभा को दिखा पाएंगे। धनखड़ ने हैरान जताया. प्रतिपक्ष के दायित्वों का जिक्र करते हुए धनखड़ ने कहा कि सरकार को आईना दिखाया जाएगा , तो यह बहुत लाभकारी होगा. सबसे पहले तो यह विधायकों को ध्यान रखना चाहिए कि विधानसभा की कार्यवाही कैसे होती है. उन्होंने कहा कि सरकार को चलाना और सत्ता पक्ष को राह दिखाना, पक्ष और विपक्ष दोनों का काम है. उन्होंने कहा कि मौजूदा दौर चिंता और चिंतन का है।

## माल्या, नीरव मोदी समेत कई भगोड़ों को सरकार ने की भारत लाने की तैयारी

### -मोस्ट वांटेड्स को लाने जांच एजेंसियों के उच्चस्तरीय दल को भेजा जा रहा विदेश

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत सरकार करोड़ों-अरबों का घपला करके विदेश भागने वालों को वापस लाने के लिए कड़ा कदम उठाने जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार सरकार द्वारा सभी बड़ी जांच एजेंसियों के एक उच्चस्तरीय दल को विदेश भेजा जा रहा है ताकि वह मोस्टे वांटेड्स को भारत लाने की कार्रवाई कर सके। बताया जा रहा है कि इन घोटालेबाजों की फौज ब्रिटेन में बैठी है, उसे वापस भारत लाने के लिए केंद्रीय एजेंसियों की एक टीम गठित कर दी गई है। सरकार केंद्रीय जांच अभिकरण (सीबीआई), प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) से बने एक उच्च स्तरीय दल को जल्द ही ब्रिटेन रवाना किया जा रहा है। इसका लक्ष्य भारत के मोस्ट वॉन्टेड भगोड़ों को वापस लाने की कार्रवाई को तेज करना है। भारत से ब्रिटेन जा बैठे इन भगोड़ों में हथियार डीलर संजय भंडारी, हीरा व्यापारी नीरव मोदी और किंगफिशर एयरलाइंस के प्रमोटर विजय माल्या शामिल हैं। इसके अलावा, टीम भगोड़ों की अवैध कमाई का पता लगाने की भी कोशिश करेगी, जो उन्होंने ब्रिटेन और अन्य देशों में संपत्ति खरीदने पर खर्च की है।

सूत्रों की मानें तो इस दल की अगुवाई विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी कर रहे हैं। लंदन में भारतीय उच्चायोग ने यूके के अधिकारियों के साथ बैठकें की हैं। इन बैठकों में वही सबूत जुटाए जाएंगे जिनसे पता चल सके कि भगोड़ों ने लंदन में कितनी संपत्ति हथियाई है और उनके बैंक खातों में क्या लेनदेन हुए हैं। बताया जा रहा है कि हथियार डीलर भंडारी 2016 में फरार हो गया था। इससे पहले आयकर विभाग और प्रवर्तन निदेशालय ने यूपीए सरकार के दौरान हुए कई रक्षा सौदों की जांच शुरू की थी। भंडारी ने लंदन और दुबई में संपत्ति हथिया ली थी, जिन्हें बाद में प्रियंका गांधी वाड्रा के पति रॉबर्ट वाड्रा के सहयोगी सीसी थंपी के नियंत्रण वाली कंपनियों के नाम कर दिया गया था।

## सायबर ठग भेज रहे राम मंदिर में वीआईपी दर्शन और प्रसाद की होम डिलीवरी वाला मैसेज

**मुंबई (एजेंसी)।** सभी भारतवासी रामलला के स्वागत के लिए उत्सुक हैं। अयोध्यानगरी को दुल्हन की तरह सजाया गया है. 22 जनवरी को भगवान श्री राम जी को राम मंदिर में विराजमान किया जाएगा. राम मंदिर के लोकार्पण समारोह की धूम विदेशों में भी देखी जा रही है. जैसे-जैसे यह ऐतिहासिक दिन नजदीक आ रहा है, लोगों के बीच जिज्ञासा और अधिक बढ़ती जा रही है। हालांकि, इसके साथ ही कई तरह के फर्जीवाड़े भी सामने आ रहे हैं. कई भक्तों को व्हाट्सएप पर धोखाधड़ी वाले मैसेज मिल रहे हैं। 22 जनवरी को अयोध्या मंदिर में वीआईपी एंट्री के मैसेज भी वायरल हो रहे हैं. यह मैसेज वीआईपी एंट्री देने का लालच देकर भेजा जा रहा है। इस संदेश में एक एपीके (एंड्रॉइड एप्लिकेशन पैकेज) फ़ाइल है। यह फाइल राम जन्मभूमि गृह संपर्क अभियान के नाम से भेजी जा रही है. फिर, एक अन्य मैसेज वीआईपी एंट्री के लिए एक ऐप इंस्टॉल करने के लिए कहता है। लेकिन यह उन भक्तों को निशाना बनाने वाला एक फ्रॉड है जो अयोध्या में राम मंदिर के दर्शन करना चाहते हैं। इस मैसेज के लिंक पर क्लिक करने से आपके स्मार्टफोन में खतरनाक फ़ाइलें, मैलवेयर या ऐप्स आ जाते हैं। साइबर ठग आपके फोन से निजी डेटा चुरा सकते हैं. और तो और, आपका बैंक में जमा पैसा भी ख़तरे में पड़ सकता है. जिससे आपकी बैंक डिटेल्स में भी दिक्कत आ सकती है.

**राम मंदिर का प्रसाद**

कुछ वेबसाइट राम मंदिर का प्रसाद घर तक पहुंचाने का दावा कर रही हैं। इसके लिए राम भक्तों को वेबसाइट पर ऑर्डर करने को कहा गया है. साथ ही जो भक्त रामलला के प्राणप्रतिष्ठा समारोह में शामिल नहीं हो पा रहे हैं. एक फर्जी मैसेज भेजा जा रहा है कि वे इस वेबसाइट के माध्यम से घर बैठे प्रसाद ऑर्डर कर सकते हैं. हालांकि, राम मंदिर का प्रसाद घर तक पहुंचाने वाली ये कंपनियां फर्जी हैं और लोगों की भावनाओं से खेल रही हैं। इन कंपनियों की वेबसाइटें राम मंदिर ट्रस्ट या सरकार की नहीं हैं। राम मंदिर का प्रसाद घर तक पहुंचाने का दावा करने वाली ये वेबसाइटें प्रसाद के लिए 50 और 100 रुपये चार्ज कर रही हैं।

## सत्येंद्र जैन, अरविंद केजरीवाल व तिहाड़ डीजी को दी लाखों की रिश्वत

### -महाठग सुकेश चंद्रशेखर का नया शगूफा, सीबीआई-एलजी से की जांच की मांग

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** महाठग सुकेश चंद्रशेखर ने दावा किया है कि सत्येंद्र जैन, अरविंद केजरीवाल व तिहाड़ डीजी को उन्होंने लाखों की रिश्वत दी है। इसके लिए पत्र लिखकर सीबीआई-एलजी से जांच की मांग की है। बता दें कि करीब 200 करोड़ की ठगी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सुकेश चंद्रशेखर इन दिनों जेल में बंद हैं। सुकेश चंद्रशेखर ने सीबीआई और दिल्ली एलजी को दी शिकायत में दावा किया है कि उसने सतेन्द्र जैन, अरविंद केजरीवाल और पूर्व डीजी तिहाड़ संदीप गोयल को बतौर रिश्वत लाखों रुपए दिए हैं। सुकेश चंद्रशेखर ने एक लेटर सीबीआई को दिया है, जिसमें सतेन्द्र जैन, अरविंद केजरीवाल और एक्स डीजी तिहाड़ सन्दीप गोयल के खिलाफ शिकायत है। इसमें सतेन्द्र जैन की महाठग सुकेश के साथ बातचीत के चैट्स के तीन स्क्रीन शॉट्स भी लगाए हैं। इतना ही नहीं, सुकेश चंद्रशेखर ने

दूसरी शिकायत एलजी को दी है, जिसमे जांच की बात की गई है। हालांकि इससे पहले भी सुकेश चंद्रशेखर ने दिल्ली के एलजी को अरविंद केजरीवाल के खिलाफ शिकायत की थी। इसके बाद दिल्ली के उपराज्यपाल वी के सक्सेना ने सुकेश चंद्रशेखर की उस शिकायत को आगे की कार्रवाई के लिये केंद्रीय गृह मंत्रालय के पास भेज दिया था, जिसमें उसने अपने अधिवक्ता को धमकी भरे कॉल मिलने की शिकायत की थी।

मनी लॉन्ड्रिंग और विभिन्न लोगों को ठगने के आरोप में फिलहाल दिल्ली की जेल में बंद चंद्रशेखर ने पिछले साल आठ जुलाई को उपराज्यपाल को दी शिकायत की थी, जिसमें दावा किया कि उसके अधिवक्ता अनंत मलिक को धमकी भरे फोन आ रहे हैं। ठग सुकेश चंद्रशेखर ने अपनी शिकायत में कहा था कि वकील अनंत मलिक को 'मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और दिल्ली के पूर्व गृह मंत्री सत्येन्द्र जैन की ओर से बोलने का दावा करने वाले लोगों से धमकी भरे फोन किए थे। चंद्रशेखर ने अपनी शिकायत में यह दावा भी किया कि फोन करने वाले ने कथित तौर पर मंडोली जेल में उन्हें परोसे जाने वाले भोजन में जहर मिलाने की धमकी दी थी।

इस संबंध में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा जांच की जा रही है। बता दें कि 200 करोड़ रुपये की मनी लॉन्ड्रिंग में सुकेश चंद्रशेखर मुख्य आरोपी है। वह कई अन्य मामलों में भी आरोपी है, जिसकी जांच ईडी, दिल्ली पुलिस और आर्थिक अपराध शाखा द्वारा की जा रही है। उस समय चंद्रशेखर और उसकी पत्नी लीना मारिया पॉल दोनों को दिल्ली पुलिस ने धोखाधड़ी के मामले में उनकी कथित भूमिका के लिए गिरफ्तार किया था। जबकि दिल्ली पुलिस और ईडी की जांच के दौरान बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज, नोरा फतेही सहित अन्य सेलिब्रिटी के नाम भी आए थे।

## चीन में आ रही है कोरोना जेएन.1 की लहर, भारत पर क्या होगा असर

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** कोरोना का जनक कहा जाने वाला चीन फिर कोरोना के संकट से घिर सकता है। कोरोना के सब वैरिएंट जेएन.1 के चीन में केस बढ़ रहे हैं। अब ड्रैगन को भी खतरा लगने लगा है। चीन के स्वास्थ्य अधिकारियों ने कोविड-19 के मामले बढ़ने की चेतावनी जारी कर दी है। जहां तक भारत की बात है तो देश में कोरोना के नए वैरिएंट के केस में कमी दर्ज की गई है। लेकिन चीन की चेतावनी के बाद जनवरी के अंत तक सतर्क रहने की जरूरत है। चीन के नेशनल हेल्थ कमीशन ने हालांकि कहा है कि अभी कोरोना के जेएन.1 वैरिएंट के मामले कम हैं। लेकिन चीन के हेल्थ अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि देश में जेएन.1 वैरिएंट का वायरस काफी बड़ी तादाद में मौजूद है। चीन के विशेषज्ञ कोरोना के इस नए वैरिएंट से सतर्क हो गए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि ठंड के मौसम में कई सांस से संबंधित बीमारियां फैल सकती हैं। चीन में अस्पतालों को कोरोना के बढ़ते मामलों से निपटने के लिए सतर्क कर दिया गया है। यही नहीं, चीन ने कोरोना से निपटने के लिए अपने हेल्थ वर्क्स की ट्रेनिंग प्रोग्राम भी शुरू कर दिया है।

भारत में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 375 नए मामले दर्ज किए गए हैं। देश में अभी कोरोना के 3,075 मरीज हैं। पिछले 24 घंटे में कोविड-19 से 2 लोगों की मौत भी हुई है। यही नहीं, भारत में कोरोना के मामले में फिलहाल कमी दर्ज की जा रही है। 5 दिसंबर 2023 से देश में कोरोना के नए वैरिएंट जेएन.1 के केस बढ़ने लगे थे। हालांकि, दिसंबर के अंत तक इसके मामले में कमी आने लगी थी। जनवरी के दूसरे हफ्ते में भी कोरोना के मामलों में कमी दर्ज की गई है। 6 जनवरी तक देश के 12 राज्यों में जेएन.1 वैरिएंट के कुल 682 नए मामले दर्ज किए गए थे। सरकार ने कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच कहा था कि इससे घबराने की जरूरत नहीं है बल्कि सतर्क रहने की जरूरत है।

देश में तापमान में कमी के बाद ही कोरोना के मामले में बढ़ने लगे थे। जेएन.1 ओमीक्रोन का सब वैरिएंट ही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कोरोना के इस नए सब वैरिएंट को वैरिएंट ऑफ कन्सर्न बताया था। इस नए वैरिएंट से मौत का आंकड़ा भी बेहद कम है। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़े के मुताबिक नए वैरिएंट से मौत का आंकड़ा 1.81 फीसदी है। गौरतलब है कि भारत और अमेरिका की हेल्थ एजेंसियों ने

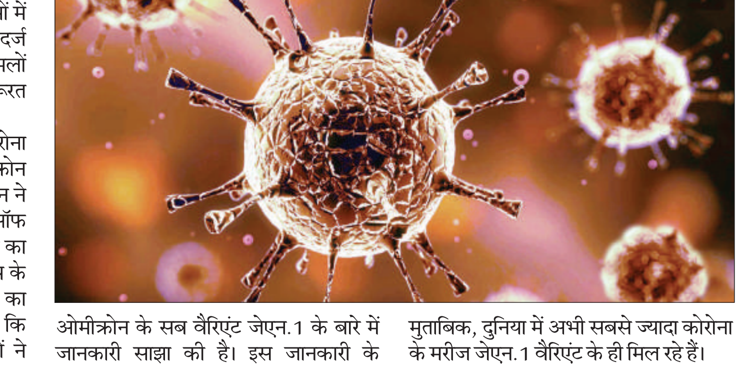

ओमीक्रोन के सब वैरिएंट जेएन.1 के बारे में जानकारी साझा की है। इस जानकारी के मुताबिक, दुनिया में अभी सबसे ज्यादा कोरोना के मरीज जेएन.1 वैरिएंट के ही मिल रहे हैं।

संपादकीय

## बसपा अकेले रण में

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की सुप्रीमो मायावती ने उचित ही स्पष्ट कर दिया कि उनकी पार्टी 2024 का लोकसभा चुनाव अकेले ही लड़ेगी। इस घोषणा का सर्वाधिक असर 80 लोकसभा सीटों वाले उत्तर प्रदेश के परिणामों पर पड़ेगा। चूंकि मायावती अभी तक किसी भी गठबंधन में शामिल नहीं हैं, इसलिए भी उनका अलग चुनाव लड़ना जमीनी राजनीति को प्रभावित करेगा। पिछले आम चुनाव में बसपा राज्य में दूसरे नंबर की पार्टी थी और उसे 10 सीटें मिली थीं। हालांकि, यह बात भी गौर करने की है कि पिछला लोकसभा चुनाव बसपा ने समाजवादी पार्टी के साथ मिलकर लड़ा था। गठबंधन से ज्यादा लाभ बसपा को ही हुआ था, पर इस बार इन दोनों दलों के बीच समन्वय की सूरत नहीं बन पा रही है। वैसे, उत्तर प्रदेश में पिछले विधानसभा चुनाव में बसपा अलग होकर लड़ी थी और उसे केवल एक सीट पर जीत मिली थी। ऐसा माना जा रहा था कि भाजपा के खिलाफ बने विपक्षी ब्लॉक 'इंडिया' में वह शामिल हो जाएंगी, पर लगता है, दोनों पक्षों की ओर से गठबंधन के ठोस प्रयास नहीं हुए और अपने-अपने फायदे की राजनीति ने अपना रंग दिखा दिया। दूसरी ओर, भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन से बसपा दूर ही रही है। भाजपा और बसपा की मिली-जुली सरकार तो उत्तर प्रदेश में रह चुकी है, मगर सामाजिकता और विचारधारा, दोनों ही स्तर पर भाजपा और बसपा के बीच एक तरह की तल्खी शुरू से रही है। सोमवार को बसपा की घोषणा से शायद ही किसी को आश्चर्य हुआ होगा। वैसे इंडिया ब्लॉक के नेताओं को मायावती को साथ लेने के लिए ज्यादा प्रयास करने चाहिए था। यह भी ध्यान देने वाली बात है कि इंडिया ब्लॉक चूंकि फैसले लेने में काफी देरी कर रहा है, इसलिए बसपा जैसी अन्य संभावित सहयोगी पार्टियों के गठबंधन से बिदक जाने की आशंका बढ़ गई है। अब इंडिया की ओर से जितनी देरी होगी, उसे उतने ही ज्यादा नुकसान उठाने पड़ेंगे। मायावती का गठबंधन में शामिल न होना, वास्तव में भाजपा विरोधी वोटों के बंटवारे को ही बल प्रदान करेगा। मायावती ने लगे हाथ यह भी इशारा कर दिया है कि गठबंधन उनके लिए कभी फायदेमंद नहीं रहा है और इससे उन्हें नुकसान ही ज्यादा होता है। वैसे, उनकी इस दलील पर सियासी बहस संभव है। देश में शायद ही ऐसा कोई दल है, जिसने सियासी गठबंधन से लाभ नहीं उठाया हो। देश में अनेक दलों की सत्ता तो गठबंधन से ही संभव हुई है। हालांकि, बसपा का यह संकेत मानीखेज है कि चुनाव के बाद गठबंधन पर विचार किया जा सकता है। इसका मतलब यह हुआ कि आगामी लोकसभा चुनाव में बसपा अपने दम पर ज्यादा से ज्यादा सीटें जीतने की कोशिश करेगी, जिससे अन्य सभी पार्टियों के मत प्रतिशत पर असर पड़ेगा। मायावती का अपना वोट बैंक है और अगर वह मजबूती से लड़ेंगी, तो बड़े गठबंधनों के समीकरण को भी प्रभावित कर सकती हैं। सोमवार को 68 साल की होने के साथ उन्होंने ऐलान कर दिया है कि राजनीति से संन्यास लेने की उनकी कोई योजना नहीं है। इससे उनके समर्थकों को निश्चित ही खुशी होगी और वे उम्मीद करेंगे कि मायावती पूरे दमखम के साथ मैदान में उतरें और ज्यादा से ज्यादा सीटें जीतकर भावी सत्तारूढ़ गठबंधन में भागीदारी के लिए मजबूत दावा पेश करें। कुल मिलाकर, तय है, उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव पहले से ज्यादा दिलचस्प हो गया है।

## आज का राशिफल

**मेष** जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रोजी के अवसर बढ़ेंगे। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। किसी मूल्यवान वस्तु के चोरी या खोने की आशंका है। व्यावसायिक मामलों में लाभ मिलेगा।

**वृषभ** आर्थिक मामलों में सुधार होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मांगलिक उत्सव में भाग लेंगे। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

**मिथुन** पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। किसी कार्य के सम्पन्न होने से आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। संतान या शिक्षा के कारण चिंतित हो सकते हैं। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होंगे।

**कर्क** आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। दूसरों से सहयोग लेने में सफल होंगे। विभागीय समस्या आ सकती है।

**सिंह** पारिवारिक जनों के साथ सुखद समय गुजरेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। किसी रिश्तेदार के कारण तनाव हो सकता है।

**कन्या** जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मांगलिक उत्सव में हिस्सेदारी होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

**तुला** प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। किया गया श्रम सार्थक होगा। संबंधित अधिकारी के कृपा पात्र होंगे। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

**वृश्चिक** दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

**धनु** संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नेत्र विकार की संभावना है। मन अशान्त रहेगा। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। स्वास्थ्य एवं प्रतिष्ठा के प्रति सचेत रहें।

**मकर** पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। संबंधित अधिकारी से तनाव मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। कोई पारिवारिक व व्यावसायिक समस्या आ सकती है।

**कुम्भ** जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। किसी अज्ञात भय से ग्रसित रहेंगे। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

**मीन** पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सुखद परिवर्तन की दिशा में व्यक्ति विशेष का सहयोग मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रक्तचाप में वृद्धि होगी।

# जहां तैयार हुए उच्च जीवन मूल्यों के शूरवीर

ले. जन. एसएस मेहता (अ.प्रा.)

मैं उस वक्त 16 साल का भी नहीं था जब राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) में दाखिला मिला था और इस महीने मैं 80 बरस का हो जाऊंगा। हम चार भाई फौज में रहे, तीन राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के प्रशिक्षु रहे तो चौथा इस अकादमी में प्रशिक्षक-अफसर रहा। मेरे बेटे ने भी एनडीए से प्रशिक्षण लिया है, जिसने आगे चलकर एक रेजीमेंट का बतौर कमांडेंट नेतृत्व किया। फौज में कमीशन मिलने पर मेरी नियुक्ति 63वीं कैवेलरी में हुई। अपने पांच नज़दीकी रिश्तेदारों में, हम चार भाइयों, मेरे बेटे और जीजा ने भी 1971 का युद्ध लड़ा। बा-वर्दी में और बिना-वर्दी दिनों की यादें गर्माइश भरी हैं। एनडीए की वीथियों से होकर कम उम्र में फौज में आने का लाभ है यह प्रशिक्षण में बेफिक्री, भाईचारा, अनुशासन, टीम-भावना, रणनीतिक दृष्टि, प्रभावशाली रूप से समझाने की काबिलियत और लचीला रुख भर दिया जाता है। नतीजतन, हिम्मत न हारो, अनेकता में एकता और स्वयं से पहले सेवा की भावना बनती है। यह भाव 'मेरे लिए राष्ट्र सर्वप्रथम, सदैव और हरहाल में' वाला मूलमंत्र बन जाता है । एनडीए कोर्स में प्रवेश 'सेना बतौर एक इकाई' होता है। हालांकि इसकी संरचना लगभग एक दर्जन अलहदा विधाओं से हुई है। यह विविधता ढल जाने और सकल प्रभावशीलता में प्रवीणता बनाती है क्योंकि प्रत्येक प्रवेश संस्थान प्रशिक्षु में एक नेतृत्वकर्ता और फौजी होने के लिए जो आयाम आवश्यक है, उस हेतु विलक्षण कौशल और अनुभव से लैस कर देता है। नव फौजी अफसर पैदा करने वाली यह 'सैन्य नर्सरी' लोकतांत्रिक मूल्य भरने के लिए भी जानी जाती है, सुनने में भले ही अटपटा लगे, लेकिन एनडीए के लिए यही सच है। आज जब यह अपनी स्थापना के 75 साल पूरे कर रही है, यहां से तैयार होकर निकले प्रशिक्षुओं में जो बात सबसे निराली है, वह यह कि यहां की पढ़ाई सैन्य नेतृत्वकर्ताओं में ऐसी सपाट एवं एकांगी दृढ़ता बनाती है, जो अपने प्रशिक्षुओं को संविधान के प्रति ली सौंगध से भटकने की इज़ाजत नहीं देती। 1970 और 80 के बीच ऐसा वक्त था जब भारत पूरबी और पश्चिमी ओर से सत्ता पर सैन्य तानाशाह काबिज मुल्कों में घिरा था। तथ्य यह है कि, जहां हमारे पश्चिमी पड़ोसी के सैन्य प्रशिक्षण संस्थान भावी सैन्य-तानाशाह तैयार करते हैं वहीं एनडीए की टकसाल में निरोल पेशेवर फौजी ढलते हैं, जो अपने देश और मातहतों के हितार्थ अपनी जान को जोखिम में डालने को तत्पर रहते हैं, यह जज्बा एनडीए के आदर्श वाक्य 'सेवा परमोधर्म:' या 'स्वयं से पूर्व सेवा' को सही मायने में चरितार्थ करता है। बतौर एक लोकतांत्रिक राष्ट्र भारत की सफलता के पीछे एक बड़ा कारण यह भी है कि हमारे सैन्य नेतृत्व के कृत्यों और ज़हन में सत्ता का लालच बिल्कुल नहीं है, जबकि दुनियाभर में औपनिवेशिक दासता से मुक्त हुए अनेकानेक मुल्कों की फौज में यह लिप्सा कभी न कभी तारी हो गई। हमारे संस्थानों में सेना एक जीता-जागता उदाहरण है, जिसके आदर्शों को स्वरूप देश के संस्थापकों ने दिया था। केवल एक आदर्शवादी ही देश के लिए जान देने के लिए तैयार-बर-तैयार रहता है और सेवानिवृत्ति उपरांत घर पर अपने पोते-पोतियों को गाथाओं से प्रेरित करता है। हमारे स्वतंत्रता आंदोलन में अंतर्निहित रहे कालजयी आदर्शवादी मूल्य और रिवायतों की हमारी सेना मुंह बोलता उदाहरण है। इस खासियत ने एनडीए और इस जैसे अन्य भारतीय सैन्य संस्थानों को विश्व की सर्वोत्तम रक्षा सेवा प्रवेश अकादमियों में स्थान दिलवाया है, जहां पर बिना अपवाद भावी पेशेवर फौजी अफसर तैयार किए जाते हैं। और, बेशक, उनमें कुछ ने खुद को विश्व-स्तरीय सैन्य कमांडर एवं रणनीतिज्ञ सिद्ध कर दिखाया है। भारत ने जितने युद्ध लड़े हैं उनमें सबमें सैन्य बलों का व्यवहार, अपने-अपने प्रशिक्षण संस्थानों द्वारा भरे गए मूल्यों के प्रति सर्वोत्तम प्रतिबद्धता का प्रतीक रहा है। यदि भारतीय सेना ने बांग्लादेश की आजादी के लिए लड़े युद्ध के बाद, नव-स्थापित आजाद सरकार की 'सहायता' के नाम पर वहीं न बने रहकर, शीघ्र वतन वापसी करी, तो इसके पीछे बहुत श्रेय जाता है दिवंगत जनरल (बाद में फील्ड मार्शल) सैम मानेकशॉ के मूल्यपरक नेतृत्व गुणों को, यह वह सबक है जिस पर एनडीए के वर्तमान और पूर्व-प्रशिक्षकों को नाज़ है। 1971 के घटनाक्रम को अक्सर 'न्याय युद्ध' वह लोग कहते हैं जिनको अटल विश्वास है यह कार्रवाई पाकिस्तानी सेना द्वारा बरपाए नरसंहार और बलात्कारों के प्रतिकर्म स्वरूप की गई थी। इसने बांग्लादेश को आज़ादी दिलवाई और अपने लोगों को भावी हिंसा से बचाया। 'जायज और नाजायज युद्ध' नामक शोध पर किताब के लेखक माइकल वॉल्ज़र के अनुसार यह लड़ाई 20वीं सदी के तमाम युद्धों में सही मायनों में मानवीय आधार पर की गई एकमात्र सैन्य दखलअंदाजी थी। और इस न्याय युद्ध में भाग लेने वाले अफसरों और अन्य साथी फौजियों की नैतिकता की रीढ़ के पीछे एनडीए प्रदत्त मूल्य थे। जिस बर्बर और विषैले दुश्मन के साथ भीषण लडाई लड़ी हो, युद्धोपरांत उसी के साथ नरमी से पेश आना बहुत मुश्किल होता है, वह भी तब जब बतौर युद्धबंदी उसकी भलाई आपके रहमोकरम पर हो। बांग्लादेश में आत्मसमर्पण करने वाले 90000 से अधिक युद्धबंदियों का प्रबंधन करना एक बहुत बड़ा और विकट काम था। प्रत्येक ऐसे युद्धबंदी को यह संदेश साफ मिल गया था कि यह विजय सैन्य शासन पर लोकतंत्र की और बर्बरता पर मानवीयता की है, जेनेवा युद्धबंदी अंतर्राष्ट्रीय संधि के प्रावधानों पर भी यह व्यवहार पूरी तरह खरा उतरा। आगे चलकर, कारगिल और अन्य युद्ध मोर्चों पर जो स्थितियां सामने आईं, लगता है हमारा दिखाया मानवीय रवैया किसी काम न आया। वर्तमान में विश्वभर में जो भयावह परिदृश्य है, उसके परिप्रेक्ष्य में इसे देखकर अफसोस होता है। यहां तक कि जब श्रीलंका में भारतीय शांति सेना को बहुत भारी जानी नुकसान झेलना पड़ा तब भी भारतीय सेना ने सिविलियनों की आड़ में छिपकर हमले कर रहे एलटीटीई आतंकियों पर जवाबी गोलीबारी करने से खुद को रोके रखा। वियतनाम युद्ध को निर्दोष ग्रामीणों पर बरपाए माई लाई नरसंहार और अन्य ज्यादतियों भरे प्रसंगों के लिए जाना जाता है, लेकिन ठीक इस जैसी परिस्थितियों में भारतीय सेना की कार्रवाई की गाथाएं एकदम उलट हैं- अर्थात भारतीय फौजी अफसर वह होता है जो सिविलियनों का जानी नुकसान न्यूनतम रखने की एवज में खुद अपने पर और अपने फौजियों पर भारी पीड़ा झेलने को मानसिक रूप से तैयार रहता है। यदि विदेशी आक्रमणकारियों और घरेलू विद्रोहियों से लड़े प्रत्येक युद्ध के बाद भी यह रिवायत कायम है, तो यह तभी हो पाया क्योंकि हमारी सैन्य अकादमियों में अफसरों में मानवता एवं मानववादी आचरण कायम रखने के बारे में सिखाया जाता है। भारतीय फौजियों ने लचीलापन, शौर्य एवं प्रतिबद्धता का अनवरत प्रदर्शन कायम रखा है। 1999 में कारगिल युद्ध में भारतीय सैनिकों ने तमाम विपरीत स्थितियों में पर्वत शिखर युद्धकौशल और राजनीतिक इच्छाशक्ति द्वारा तय परिधि के भीतर रहकर, वास्तविक सीमा रेखा पार किए बिना घुसपैठियों को खदेड़ डाला।

मेरी जानकारी में आधुनिक इतिहास में ऐसा कोई अन्य उदाहरण नहीं है कि दुश्मन की फौरी और शर्मिंदगी भरी हार सुनिश्चित करने में साहसिक सैन्य कार्रवाई के साथ-साथ उतने अनुपात में अनुशासनात्मकता भी दिखाई गयी हो।

# सदैव प्रेरणा देते रहेंगे गुरु गोबिंद सिंह के उपदेश

(लेखक- योगेश कुमार गोयल)

(गुरु गोबिंद सिंह के 357वें प्रकाश पर्व (17 जनवरी) पर विशेष)

सिखों के 10वें गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह जी का 357वां प्रकाश पर्व इस वर्ष 17 जनवरी को मनाया जा रहा है। हिन्दू कैलेंडर के अनुसार गुरु गोबिंद सिंह का जन्म 1667 ई. में पौष माह की शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि को 1723 विक्रम संवत् को पटना साहिब में हुआ था। प्रतिवर्ष इसी दिन गुरु गोबिंद सिंह का प्रकाशोत्सव मनाया जाता है। बचपन में गुरु गोबिंद सिंह जी को गोबिंद राय के नाम से जाना जाता था। उनके पिता गुरु तेग बहादुर सिखों के 9वें गुरु थे। पंजाबी, हिन्दी, संस्कृत, बृज, फारसी भाषाएं सीखने के साथ गुरु गोबिंद सिंह जी ने घुड़सवारी, तीरंदाजी, नेजेबाजी इत्यादि युद्धकलाओं में भी महारत हासिल की थी। कश्मीरी पंडितों के धार्मिक अधिकारों की रक्षा के लिए उनके पिता और सिखों के 9वें गुरु तेग बहादुर जी द्वारा नवम्बर 1975 में दिल्ली के चांदनी चौक में शीश कटाकर शहादत दिए जाने के बाद मात्र 9 वर्ष की आयु में ही गुरु गोबिंद सिंह जी ने सिखों के 10वें गुरू पद की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संभाली और खालसा पंथ के संस्थापक बने।

अत्याचार और अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने के लिए गुरु गोबिंद सिंह जी का वाक्य 'सवा लाख से एक लड़ाऊं तां गोबिंद सिंह नाम धराऊं' सैकड़ों वर्षों बाद आज भी प्रेरणा और हिम्मत देता है। उन्होंने समाज में फैले भेदभाव को समाप्त कर समानता स्थापित की थी और लोगों में आत्मसम्मान तथा निडर रहने की भावना पैदा की। शौर्य, साहस, त्याग और बलिदान के सच्चे प्रतीक तथा इतिहास को नई धारा देने वाले अद्वितीय, विलक्षण और अनुपम व्यक्तित्व के स्वामी गुरु गोबिंद सिंह को इतिहास में एक विलक्षण क्रांतिकारी संत व्यक्तित्व का दर्जा प्राप्त है। एक आध्यात्मिक गुरु होने के साथ-साथ वे एक निर्भयी योद्धा, कवि, दार्शनिक और उच्च कोटि के लेखक भी थे। उन्हें विद्वानों का संरक्षक भी माना जाता था। दरअसल कहा जाता है कि 52 कवियों और लेखकों की उपस्थिति सदैव उनके दरबार में बनी रहती थी और इसीलिए उन्हें 'संत सिपाही' भी कहा जाता था। उन्होंने स्वयं कई ग्रंथों की रचना की थी। 'बिचित्र नाटक' को गुरु गोबिंद सिंह की आत्मकथा माना जाता है, जो उनके जीवन के विषय में जानकारी का सबसे महत्वपूर्ण स्रोत है। यह 'दशम ग्रंथ' का एक भाग है, जो गुरु गोबिंद सिंह की कृतियों के संकलन का नाम है। इस दशम ग्रंथ की रचना गुरु जी ने हिमाचल के पोंटा साहिब में की थी। कहा जाता है कि गुरु गोबिंद सिंह एक बार अपने घोड़े पर सवार होकर हिमाचल प्रदेश से गुजर रहे थे और एक स्थान पर उनका घोड़ा अपने आप आकर रुक गया। उसी के बाद से उस जगह को पवित्र माना जाने लगा और उस जगह को पोंटा साहिब के नाम से जाना जाने लगा। दरअसल 'पोंटा' शब्द का अर्थ होता है 'पांव' और जिस जगह पर घोड़े के पांव अपने आप थम गए, उसी जगह को पोंटा साहिब नाम दिया गया। गुरु जी ने अपने जीवन के चार वर्ष पोंटा साहिब में ही बिताए, जहां अभी भी उनके हथियार और कलम रखे हैं। 1699 में बैसाखी के दिन तख्त श्री केसगढ़ साहिब में कड़ी परीक्षा के बाद पांच सिखों को 'पंज प्यारे' चुनकर गुरु गोबिंद सिंह ने खालसा पंथ की स्थापना की थी, जिसके बाद प्रत्येक सिख के लिए कृपाण या श्रीसाहिब धारण करना अनिवार्य कर दिया गया। वहीं पर उन्होंने 'खालसा वाणी' भी दी, जिसे 'वाहे गुरु जी का खालसा, वाहेगुरु जी की फतेह' कहा जाता है। उन्होंने जीवन जीने के पांच सिद्धांत दिए थे, जिन्हें 'पंच ककार' (केश, कड़ा, कृपाण, कंघा और कच्छा) कहा जाता है। गुरु गोबिंद सिंह ने ही 'गुरु ग्रंथ साहिब' को सिखों के स्थायी गुरु का दर्जा दिया था। सन् 1708 में उन्होंने महाराष्ट्र के नांदेड़ में शिविर लगाया था। वहां जब उन्हें लगा कि अब उनका अंतिम समय आ गया है, तब उन्होंने संगतों को आदेश दिया कि अब गुरु ग्रंथ साहिब ही आपके गुरु हैं। उन्होंने कई बार मुगलों को परास्त किया। आनंदपुर साहिब में तो मुगलों से उनके संघर्ष और उनकी वीरता का स्वर्णिम इतिहास बिखरा पड़ा है। गुरु गोबिंद सिंह के चारों पुत्र अजीत सिंह, फतेह सिंह, जोरावर सिंह और जुझार सिंह भी उन्हीं की भांति बेहद निडर और बहादुर योद्धा थे। अपने धर्म की रक्षा के लिए मुगलों से लड़ते हुए गुरु गोबिंद सिंह ने अपने पूरे परिवार का बलिदान कर दिया था। उनके दो पुत्रों बाबा अजीत सिंह और बाबा जुझार सिंह ने चमकौर के युद्ध में शहादत प्राप्त की थी। 26 दिसम्बर 1704 को गुरु गोबिंद सिंह के दो अन्य साहिबजादों जोरावर सिंह और फतेह सिंह को इस्लाम धर्म स्वीकार नहीं करने पर सरहिंद के नवाब द्वारा दीवार में जिंदा चुनवा दिया गया था और माता गुजरी को किले की दीवार से गिराकर शहीद कर दिया गया था। नांदेड़ में दो हमलावरों से लड़ते समय गुरु गोबिन्द सिंह के सीने में दिल के ऊपर गहरी चोट लगी थी, जिसके कारण 18 अक्तूबर 1708 को नांदेड में करीब 41 वर्ष की आयु में वे वीरगति को प्राप्त हुए थे।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं तथा 34 वर्षों से साहित्य व पत्रकारिता में सक्रिय हैं)

विचार मंथन

# गरीबी रेखा ओर वास्तविक गरीबी का रिश्ता

(लेखक - सनत जैन)

पिछले 9 साल में 2.30 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आ गए हैं। सरकार ने यह दावा किया है। पिछले 9 साल में 24. 84 करोड लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं। अर्थात वह अब गरीब नहीं रहे। नीति आयोग की ओर से सोमवार को दिल्ली में जारी रिपोर्ट में 2005-06 के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला है। विश्व बैंक ने भारत में प्रतिदिन की आय 180 रुपए से कम होने वाले परिवारों को गरीबी रेखा से नीचे माना है। जिन परिवारों की आय 180 रूपये प्रतिदिन से ज्यादा की है। वह सब गरीबी रेखा से बाहर आ गए हैं। 2005-06 में आय और महंगाई की तुलना से यदि हम बात करें, तो पिछले 20 वर्षों में जिस तरह से भारत में महंगाई बढ़ी है। रुपए की कीमत घटी है। उसका भी आकलन किया जाना चाहिए था, जो नीति आयोग द्वारा नहीं किया गया है। 2017-18 में देश की 18.73 फ़ीसदी आबादी गरीबी रेखा से नीचे मानी गई थी। नीति आयोग का दावा है कि अब यह घटकर 11.90 फ़ीसदी रह गई है। नीति आयोग ने 2013-14 की स्थिति में देश की गरीब आबादी के अनुमान और वर्ष 2022-23 के गरीबी आबादी के अनुपात की तुलना की है। नीति आयोग की इसी रिपोर्ट में कहा गया है कि 41.3 फीसदी लोगों के पास रहने के लिये घर नहीं है। 31 फीसदी आबादी के पास अभी भी टॉयलेट की सुविधा नहीं है। अभी भी 44 फ़ीसदी आबादी के पास रसोई गैस की सुविधा नहीं है। नीति आयोग ने जो रिपोर्ट जारी की है। इसका मुख्य आधार 180 रुपए प्रतिदिन, जिस परिवार की आय है।उसे गरीब नहीं माना गया है। जिनकी आय 180 रुपए से कम है।अब वही गरीबी रेखा की सूची में रह गए हैं। भारत में एक परिवार मे कम से कम 5 से 6 लोग रहते हैं। जिस तरह से खाद्य पदार्थों, सार्वजनिक परिवहन के लिए गरीबों को जो पैसा खर्च करना पड़ रहा है। उसमें अधिकतम 5400 प्रतिमाह कमाने वाला परिवार किस तरह से अपने बच्चों का पालन पोषण कर सकता है। इसका आसानी से अंदाजा लगाया जा सकता है। भारत में कुपोषण की समस्या लगातार बढ़ती जा रही है। किसी तरह से गरीब परिवार अपना पेट भर रहे हैं। भोजन में पोषण की मात्रा नहीं होने से लोग, कुपोषण का शिकार हो रहे हैं। इसका असर गर्भवती महिलाओं और बच्चों पर भी पड़ रहा है। नीति आयोग के सीईओ बीआर सुब्रमण्यम द्वारा रिपोर्ट जारी की गई है। इसमें संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के आंकड़ों के आधार पर इसे जारी करने की बात कही गई है। नीति आयोग ने 12 मानक पर यह रिपोर्ट जारी की है। जो सरकार के गरीबी रेखा के नीचे रहने वाले परिवारों को प्रदर्शित करती हैं। रिपोर्ट में देश में गरीबी घटने के कारणों मे, सरकार द्वारा संचालित पोषण अभियान, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून के तहत मिलने वाले लाभ, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण की अन्न योजना, उज्ज्वला योजना, सौभाग्य बिजली योजना, स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री जन धन योजना और पीएम आवास योजना के योगदान के कारण गरीबी घटने की बात कही गई है। नीति आयोग ने जो रिपोर्ट जारी की है। वह आंकड़ों के आधार पर है। जो वास्तविकता से बिल्कुल अलग है। वास्तविकता यह है कि पिछले 20 सालों में भारत में तेजी के साथ महंगाई बढी है। जितनी महंगाई बढ़ी है,उसके अनुपात में लोंगो की आय नहीं बढ़ी है।जिसके कारण आम आदमी का जीना दुभर हो गया है। 2005-06 में यदि आय कम थी, तो उस समय महंगाई ज्यादा नहीं होने के कारण गरीब आदमी आज की तुलना में अच्छा जीवन जी रहा था।पिछले दो दशक में लगातार महंगाई बढ़ रही है। सार्वजनिक परिवहन का खर्च बढ़ता जा रहा है। खाद्य पदार्थों के दाम बढ़ते जा रहे हैं। ईंधन भी आदमी को आसानी से उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। मजदूरी करने के लिए गरीब परिवारों को सार्वजनिक परिवहन का सहारा लेना पड़ता है।पिछले 20 वर्षों में वह बहुत महंगा हो गया है।

जिस परिवार के मुखिया की 180 रुपया प्रतिदिन की आय हो रही है। उसके बाद भी वह अपने बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध नहीं है, यह वास्तविकता है। सरकार ने रिपोर्ट में कहा है, कि 2.30 करोड़ की आबादी गरीबी रेखा से बाहर आ गई है। जिसका मतलब यह है कि गरीबों की आय बढ़ी है। आय बढ़ने से क्या उनका जीवन स्तर सुधरा है। वास्तविकता ठीक इसके विपरीत है। आय और खर्च की तुलना में यदि इसका विश्लेषण किया जाए, तो गरीब और भी गरीब हो गया है। सरकारी योजनाओं का लाभ सभी लोगों को नही मिल पाता है। सरकारी योजनाओं का लाभ सभी लोगों को मिल रहा है?

वास्तविक स्थिति ठीक इसके विपरीत है। नीति आयोग ने जिन योजनाओं को आधार बनाया है। उसमें उज्ज्वला योजना की ही बात करें,तो एक बार उन्हें गैस के सिलेंडर फ्री में उपलब्ध करा दिए गए। उसके बाद गैस रिफिल करने की कीमत इतनी ज्यादा थी कि दोबारा गैस को रिफिल ही नहीं कर पाए।

## जनवरी-अक्टूबर 2023 में चाय का निर्यात घटा

**कोलकाता ।**

वित्त वर्ष 2023 जनवरी-अक्टूबर में देश से चाय का निर्यात 1.65 प्रतिशत घटकर 18.269 करोड़ किलोग्राम रह गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 18.575 करोड़ किलोग्राम था। टी बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार` वित्त वर्ष 2023 के पहले 10 महीनों में उत्तर भारत से निर्यात सालाना आधार पर 4.62 प्रतिशत की गिरावट के साथ 11.033 करोड़ किलोग्राम रहा। इसी तरह जनवरी से अक्टूबर 2023 के दौरान दक्षिण भारत से निर्यात 3.25 प्रतिशत बढ़कर 7.236 करोड़ किलोग्राम हो गया, जो 2022 की समान अवधि में यह 7.008 करोड़ किलोग्राम था। वित्त वर्ष 2022 में चाय का निर्यात सालाना आधार पर 17.57 प्रतिशत बढ़कर 23.108 करोड़ किलोग्राम था। 2021 में निर्यात 19.654 करोड़ किलोग्राम रहा था। चाय उद्योग के सूत्रों ने बताया निर्यात परिदृश्य गंभीर बना हुआ है क्योंकि ईरान के साथ भुगतान की समस्या के कारण वहां होने वाला निर्यात खतरे में है। ईरान परंपरागत रूप से भारत के चाय निर्यात का 20 प्रतिशत आयात करता है, लेकिन वह अब करीब शून्य हो गया है। सूत्रों के मुताबिक ऐसी स्थिति में संयुक्त अरब अमीरात जैसे नए बाजारों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है जो सीआईएस ब्लॉक के बाद पहले से ही दूसरा सबसे बड़ा आयातक बन गया है।

## जियो फाइनेंशियल का मुनाफा घटकर 294 करोड़ रहा

**नई दिल्ली ।** जियो फाइनेंशियल सर्विसेज का मुनाफा दिसंबर, 2023 को समाप्त तिमाही में पिछली तिमाही के मुकाबले 56 प्रतिशत घटकर 294 करोड़ रुपए रहा। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज ने शेयर बाजार को दी सूचना में यह जानकारी दी। कंपनी का मुनाफा चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 668 करोड़ रुपए था। समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी की आय भी कम होकर 414 करोड़ रुपए रही, जो सितंबर तिमाही में 1,294 करोड़ रुपए थी। रिलायंस इंडस्ट्रीज से अलग हुई जियो फाइनेंशियल सर्विसेज, निवेश और वित्तपोषण, बीमा ब्रोकिंग, भुगतान बैंक आदि कारोबार में लगी है। कंपनी और ब्लैकरॉक संपत्ति प्रबंधन उद्योग में प्रवेश करने के लिए एक संयुक्त उद्यम बनाने पर सहमत हुए हैं।

## ज्योति सीएनसी का शेयर एनएसई पर 370 रुपए पर हुआ लिस्ट

**मुंबई ।** शेयर बाजार में धीमी शुरुआत के साथ ज्यो ति सीएनसी का शेयर एनएसई पर 370 रुपए पर लिस्ट हुआ, जो 331 रुपए के इश्यू प्राइस की तुलना में 11.78 प्रतिशत ज्यादा है। इसके अलावा बीएसई पर भी ज्योति सीएनसी ऑटोमेशन का शेयर 372 रुपए प्रति शेयर पर लिस्ट, जो अपने इश्यू प्राइस के मुकाबले 12.39 प्रतिशत ज्यादा है। विशेषज्ञों ने अनुमान लगाया कि ज्योति सीएनसी ऑटोमेशन का शेयर 360 और 380 रूपए प्रति शेयर के बीच होगा। उन्होंने कहा कि ज्योति सीएनसी आईपीओ लिस्टिंग से 15 प्रतिशत तक का लिस्टिंग गेन हो सकता है। सब्सक्रिप्शन के तीसरे दिन ज्योति सीएनसी ऑटोमेशन के आईपीओ को 38.53 गुना सब्सक्राइब किया गया था। कंपनी के इश्यू को तीनों दिन रिटेल और नान-इंस्टीटयूशनल इंवेस्टर्स से कुल मिलाकर अच्छी प्रतिक्रिया मिली। ज्योति सीएनसी ऑटोमेशन के आईपीओ को दूसरे दिन 3.92 गुना और पहले दिन 2.52 गुना बुक किया गया था। पहले 30 मिनट के भीतर ज्योति सीएनसी आईपीओ का खुदरा हिस्सा पूरी तरह से बुक हो गया था। दिलचस्प बात यह है कि ज्योति सीएनसी ज्यो ति ऑटोमेशन आईपीओ स्टॉक एक्सचेंजों पर लिस्ट होने वाला साल 2024 का पहला आईपीओ होगा।

# आईटी फर्मों का मुनाफा और शेयर मूल्यांकन में अंतर बढ़ा

**नई दिल्ली ।**

निफ्टी आईटी सूचकांक बीते शुक्रवार को 5.14 फीसदी चढ़ा था, जो जुलाई 2020 के बाद सूचकांक में आई एक दिन में आई सबसे बड़ी तेजी है। इसके बाद सोमवार को लगातार दूसरे सत्र में आईटी सूचकांक 1.9 फीसदी और उछल गया। इससे देश की शीर्ष 10 आईटी कंपनियों की शेयर कीमतों का आकलन करने वाला सूचकांक बीते दो सत्र में 7.1 फीसदी चढ़ गया। आईटी सूचकांक में सबसे बड़ी तेजी ऐसे समय में आई है जब देश की चार शीर्ष आईटी कंपनियों के तिमाही नतीजे पांच साल में सबसे कमजोर रहे हैं। इसकी तुलना में शीर्ष चार आईटी फर्मों के सालाना आधार पर कुल तिमाही मुनाफे में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के 2005 में सूचीबद्ध होने के बाद से केवल तीन बार गिरावट आई है। इससे आईटी कंपनियों के शेयरों के मूल्यांकन और उनके वित्तीय प्रदर्शन के बीच बड़ा अंतर आ गया है। आंकड़ों से दीर्घावधि में शीर्ष चार फर्मों की आय वृद्धि और एबिटा मार्जिन में गिरावट का पता चलता है। इसकी तुलना में हाल के वर्षों में इन कंपनियों के प्राइस टू अर्निंग गुणक में इजाफा हुआ है। चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में टीसीएस, इन्फोसिस, विप्रो और एचसीएल टेक्नोलॉजीज के कुल शुद्ध मुनाफे में सालाना आधार पर 1.5 फीसदी की गिरावट आई, जो जनवरी-मार्च 2018 तिमाही के बाद सबसे खराब प्रदर्शन है। उस दौरान इनकी कुल कमाई में सालाना आधार पर 2.1 फीसदी की गिरावट आई थी। इसमें मार्च 2015 की तिमाही शामिल नहीं है जब अपने कर्मचारियों को एकमुश्त विशेष बोनस

देने के कारण टीसीएस का शुद्ध मुनाफा 30.7 फीसदी घटा था। एनएसई आईटी सूचकांक में शामिल कुल 10 कंपनियों की बाजार पूंजीकरण में इन चार शीर्ष आईटी कंपनियों की हिस्सेदारी करीब 84 फीसदी है। इसी तरह चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में शीर्ष चार आईटी फर्मों की शुद्ध आय सालाना आधार पर 2.4 फीसदी बढ़ी, जो जून 2015 तिमाही के बाद सबसे कम है।

## बैंक ऑफ महाराष्ट्र का मुनाफा बढ़कर 1,036 करोड़ रहा

नई दिल्ली । चालू वित्त वर्ष 2023-24 की तीसरी (अक्टूबर-दिसंबर) तिमाही में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ महाराष्ट्र (बीओएम) का मुनाफा 34 प्रतिशत बढ़कर 1,036 करोड़ रुपए रहा। बैंक का पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में मुनाफा 775 करोड़ रुपये रहा था। बीओएम ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 5,851 करोड़ रुपए हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 4,770 करोड़ रुपए थी। इस दौरान बैंक ने 5,171 करोड़ रुपए की ब्याज आय अर्जित की, जबकि 2022-23 की इसी अवधि में यह 4,129 करोड़ रुपए थी। बैंक सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) को एक साल पहले के 2.94 प्रतिशत से घटाकर सकल ऋण का 2.04 प्रतिशत करने में सक्षम रहा। इसी तरह एनपीए या डूबा कर्ज पिछले वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही के अंत में 0.47 प्रतिशत से घटकर 0.22 प्रतिशत पर आ गया।

## तीन घंटे से अधिक देरी वाली उड़ानें रद्द कर सकेंगी एयरलाइंस: डीजीसीए

**नई दिल्ली ।** नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने विमान सेवा कंपनियों को उन उड़ानों को रद्द करने की अनुमति दे दी, जिनमें तीन घंटे से अधिक की देरी होने की संभावना है। एक अधिकारी ने बताया कि विमानन नियामक ने नई मानक संचालन प्रक्रियाएं (एसओपी) भी जारी की है। एसओपी में कहा गया है` कि बोर्डिंग से इनकार, उड़ान रद्द होने और उड़ान में देरी के कारण यात्रियों को एयरलाइंस द्वारा सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। एसओपी एक रूपरेखा तैयार करती है जो एयरलाइनों को विस्तारित देरी के दौरान यात्रियों को होने वाली असुविधा को कम करने के लिए विशिष्ट उपायों का पालन करने के लिए बाध्य करती है, खासकर प्रतिकूल मौसम की स्थिति को देखते हुए। एसओपी के प्रमुख प्रावधानों में से एक यह है कि एयरलाइंस को सभी उड़ान टिकटों पर सीएआर (सिविल एविएशन रिक्वायरमेंट्स) के संदर्भ को प्रमुखता से प्रदर्शित करना होगा। यह सुनिश्चित करता है कि यात्रियों को उनके अधिकारों और उड़ान रद्द होने या देरी की स्थिति में अपनाई जाने वाली प्रक्रियाओं के बारे में जागरूक किया जाए। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पिछले दो दिनों में भारी व्यवधान का सामना करना पड़ा है, लगभग 600 उड़ानों में देरी हुई है, और घने कोहरे और खराब दृश्यता के कारण 76 उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। इससे देश के हवाईअड्डों पर व्यापक प्रभाव पड़ा है। सूत्रों के अनुसार अव्यवस्था का मुख्य कारण हवाईअड्डे के रनवे की सीमित परिचालन क्षमता है।भारतीय मौसम विभाग ने सोमवार को कहा कि अगले तीन दिनों के दौरान पूरे उत्तर भारत में घने से बहुत घना कोहरा और उसके बाद घना कोहरा छाए रहने की संभावना है।

# शेयर बाजार गिरावट पर बंद

### सेंसेक्स 199 , निफ्टी 65 अंक नीचे आया

**मुम्बई ।**

घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट पर बंद हुआ। इसी के साथ ही पिछले पांच सत्रों से जारी तेजी पर रोक लग गयी। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के बीच ही दिग्गज कंपनियों रिलायंस इंडस्ट्रीज , इंफोसिस, टीसीएस और एचसीएल टेक के शेयरों में हुई मुनाफावसूली से बाजार टूटा है।

दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई बीएसई सेंसेक्स 199.17 अंक करीब 0.27 फीसदी नीचे आकर 73,128.77 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 65.15 अंक तकरीबन 0.29 फीसदी गिरावट के साथ ही 22,032.30 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 21,969.80 अंक के स्तर तक नीचे आया। आज कारोबार में सेंसेक्स की कंपनियों में से टाटा स्टील का शेयर सबसे ज्यादा 1.70 फीसदी ऊपर आया। इसके साथ ही टाइटन, मारुति, आईटीसी, टाटा मोटर्स, एलएंडटी, एशियन पेंट्स, एचडीएफसी और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर बढ़े हैं।

वहीं दूसरी ओर एचसीएल टेक का शेयर सबसे ज्यादा 2.05 फीसदी नीचे आया। इसके अलावा विप्रो, एनटीपीसी, रिलायंस, इनफ़ोसिस, टेक महिंद्रा, टक्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, Axis बैंक, आईसीआईसीआई बैंक सहित बजाज फाइनेंस के शेयर टूटे हैं।

बीएसई मिडकैप इंडेक्स ट्रेडिंग सत्र के दौरान 38,302.4 के अपने नए रिकॉर्ड लेवल पर पहुंच गया पर अंत में 0.31 फीसदी की गिरावट के साथ 38,009.80 पर बंद हुआ। बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स भी 0.43 फीसदी टूटकर 44,361.39 पर बंद हुआ।

वहीं रिपोर्ट एशियाई शेयर एक महीने के निचले स्तर पर पहुंच गए है जबकि अमेरिकी स्टॉक में गिरावट दर्ज की गई, इससे भी घरेलू बाजार पर दबाव आया है। वहीं मुनाफावसूली के कारण आईटी शेयर नीचे आये और विप्रो, टीसीएस, इनफ़ोसिस समेत एचसीएल टेक के शेयर नुकसान के साथ ही नीचे आये हैं जबकि एशियाई बाजारों में सियोल, टोक्यो और हांगकांग निचले स्तर पर बंद हुए जबकि शंघाई बढ़त पर बंद हुआ। यूरोपीय बाज़ार गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे।

इससे पहले आज सुबह ऐ शियाई बाजारों में कमजोरी की वजह से घरेलू शेयर बाजार गिरावट के साथ खुले। बीएसई सेंसेक्स 130 अंक गिरकर 73,208 पर और एनएसई निफ्टी 50 23 अंक फिसलकर 22,074 पर आ गया। जेएसडब्ल्यू स्टील, टाटा स्टील, बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी बैंक, एशिया पेंट्स और टाटा मोटर्स ने सेंसेक्स पर बढ़त हासिल की, जबकि बीपीसीएल और हिंडाल्को निफ्टी में शीर्ष पर रहे। दूसरी ओर एचसीएलटेक, विप्रो, टेक एम, एनटीपीसी, टीसीएस और इंफोसिस के शेयर प्रमुख रूप से लाभ में कारोबार कर रहे थे।

# टीसीएस सभी कमर्चारियों को जेनेरेटिव एआई कौशल का प्रशिक्षण देगी

**मुंबई ।**

देश की प्रमुख सॉफ्टवेयर निर्यातक कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) अपने पांच लाख से अधिक सॉफ्टवेयर इंजीनियरों के कार्यबल को जेनेरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के आगामी अवसरों के लिए प्रशिक्षण प्रदान करेगी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। कंपनी द्वारा हाल ही में गठित एआई क्लाउड इकाई के एक प्रमुख अधिकारी ने बताया कि एक व्यावसायिक अवसर के रूप में जेनेरेटिव एआई अभी अपने शुरुआती दौर में है और इसका उपयोग अभी कम हो रहा है। उन्होंने बताया कि कंपनी ग्राहकों के लिए जारी काम में तेजी लाने के लिए जेन एआई से प्राप्त जानकारी का इस्तेमाल कर रही है। कंपनी ने कुछ महीने पहले 250 जेनरेटिव एआई संचालित परियोजनाओं में शामिल होने की भी घोषणा की थी। उन्होंने कहा कि अभी शायद इसका इस्तेमाल कम हो रहा है। यह बड़े बदलाव से पहले का दौर है। हम पूरक संपत्तियों और वृद्धि के बारे में भी बात करते हैं। क्या इसके लिए कोई समयसीमा है, मुझे लगता है

कि अभी इंतजार करें और देखें। आने वाली तिमाहियों में इसके सही परिणाम सामने आएंगे। उन्होंने कहा कि कार्यबल तैयार हो रहा है। आने वाले समय में पूरा संगठन स्वयं (जेन) एआई के लिए तैयार होगा। उन्होंने कहा कि मौजूदा प्रगति को देखते हुए करीब सात महीने में 1.50 लाख से अधिक कर्मचारी प्रशिक्षित हो जाएंगे।

## सरकार ने कच्चे तेल पर अप्रत्याशित लाभ कर घटाया

**नई दिल्ली ।** केंद्र सरकार ने देश में उत्पादित कच्चे तेल पर अप्रत्याशित लाभ कर को 2,300 रुपए प्रति टन से घटाकर मंगलवार को 1,700 रुपए प्रति टन कर दिया है। यह कर घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (एसएईडी) के रूप में लगाया जाता है। आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार डीजल, पेट्रोल और विमान ईंधन या एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) के निर्यात पर एसएईडी को शून्य पर बरकरार रखा गया है। नई दरें मंगलवार 16 जनवरी से प्रभावी हो गईं। भारत ने पहली बार एक जुलाई 2022 को अप्रत्याशित लाभ कर लगाया था। इसके साथ ही भारत ऊर्जा कंपनियों के असाधारण मुनाफे पर कर लगाने वाले देशों की सूची में शामिल हो गया था। तेल की दो सप्ताह की औसत कीमतों के आधार पर हर पखवाड़े कर दरों की समीक्षा की जाती है।

# कोरोना व यूक्रेन युद्ध ने दुनिया को पहुंचाया आर्थिक मंदी की कगार पर

### -वैश्विक अर्थव्यवस्था पर आई रिपोर्ट ने बजाई खतरे की घंटी, मुंह बाएं खड़ी हैं चुनौती

**नई दिल्ली ।**

कोरोना व यूक्रेन युद्ध ने दुनिया को आर्थिक मंदी की कगार पर पहुंचा दिया है। अगले 2030 तक दुनिया की आर्थिक मंदी सबसे निचले स्तर पर पहुंचने वाली है। वैश्विक अर्थव्यवस्था पर आई रिपोर्ट पूरी दुनिया के लिए खतरे की घंटी साबित हो सकती है। क्योंकि, इसमें कहा गया है कि वैश्विक आर्थिक मंदी तीन दशकों में सबसे बुरे दौर की ओर है। सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में बताया गया कि मौजूदा आर्थिक तथा भू-राजनीतिक झटकों के बीच वैश्विक आर्थिक वृद्धि के 2030 तक तीन दशकों में उसके सबसे नीचले स्तर पर गिरने का अनुमान है। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की जारी रिपोर्ट में मुख्य अर्थशास्त्रियों के एक सर्वेक्षण में 2024 में वैश्विक अर्थव्यवस्था के कमजोर होने और भू-आर्थिक विखंडन में तेजी आने का अनुमान लगाया गया है। विश्व नेताओं की अपनी वार्षिक बैठक से पहले दावोस में 'फ्यूचर ऑफ ग्रोथ' 2024 रिपोर्ट जारी करते हुए विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) ने कहा कि मंदी जलवायु संकट तथा कमजोर होते सामाजिक अनुबंध सहित कई परस्पर जुड़ी वैश्विक चुनौतियों को और बढ़ा रही है, जो संयुक्त रूप से वैश्विक वृद्धि में प्रगति को उलट रही हैं। हालों कि इस रिपोर्ट में आर्थिक वृद्धि के लिए एक नए दृष्टिकोण का आह्वान किया गया जो दीर्घकालिक स्थिरता तथा समानता, गति तथा गुणवत्ता की जांच के साथ दक्षता को संतुलित करेगी। इस संबंध में डब्ल्यूईएफ की प्रबंध निदेशक सादिया ज़ाहिदी ने कहा कि प्रमुख चुनौतियों से निपटने के लिए वैश्विक वृद्धि बहाल करना जरूरी होगी। हालांकि इसके लिए केवल वृद्धि ही पर्याप्त नहीं होगी। डब्ल्यूईएफ की इस दो साल की पहल का मकसद आर्थिक वृद्धि के लिए एक नई राह तैयार करना, साथ ही संतुलित वृद्धि, नवाचार, समावेशन, स्थिरता आदि के सर्वोत्तम मार्गों की पहचान करने में अर्थशास्त्रियों तथा अन्य विशेषज्ञों के साथ मिलकर दुनिया भर के नीति निर्माताओं का समर्थन हासिल करना है। रिपोर्ट के अनुसार, अधिकतर देश ऐसे वृद्धि कर रहे हैं जो न तो टिकाऊ और न ही समावेशी हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि इन देशों की नवाचार करने या उसका लाभ उठाने की क्षमता सीमित हैं और वैश्विक झटकों से निपटने में उनके योगदान तथा संवेदनशीलता को कम करती है। मुख्य अर्थशास्त्रियों ने एक सर्वेक्षण में 2024 में वैश्विक अर्थव्यवस्था कमजोर होने का अनुमान लगाया है। रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक अर्थव्यवस्था तंग वित्तीय परिस्थितियों, भू-राजनीतिक दरारों और जनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) में तेजी से प्रगति से ग्रस्त है।

# वित्त वर्ष 24 की तीसरी तिमाही में रिलायंस की आय बढ़ने का अनुमान

### - कंपनी का समेकित राजस्व बढ़कर हो सकता है 2.521 लाख करोड़

**नई दिल्ली ।**

रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) के उपभोक्ता कारोबार के दिसंबर तिमाही वित्त वर्ष 24 की तीसरी तिमाही में आय बढ़ सकती है।

विश्लेषकों ने अनुमान जताया है कि ऊर्जा कारोबार में पिछली तिमाही के मुकाबले नरमी देखी जा सकती है। लेकिन उपभोक्ता कारोबार, खास तौर पर खुदरा क्षेत्र में चमक दिखने का अनुमान है। एक सर्वेक्षण में नौ विश्लेषकों ने वित्त वर्ष 24 की तीसरी तिमाही में कंपनी का समेकित राजस्व 2.521 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान जताया है और सात विश्लेषकों ने अनुमान लगाया है कि इस दौरान 18,497 करोड़ रुपये की समायोजित शुद्ध आय होगी।

आरआईएल शुक्रवार को वित्त वर्ष 24 की तीसरी तिमाही के अपने वित्तीय प्रदर्शन की रिपोर्ट पेश करेगी। आरआईएल की सितंबर-23 तिमाही की आय को उसके ऊर्जा कारोबार के बेहतर प्रदर्शन से बढ़ावा मिला था, जिसमें उसके तेल से लेकर रसायन तक (ओ2सी) तथा तेल और गैस खंड शामिल थे। विश्लेषकों को उम्मीद है कि यह प्रवृत्ति उलट जाएगी, क्योंकि ओ2सी कारोबार तिमाही आधार पर नरमी झेल रहा है। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज के विश्लेषकों का कहना है कि आरआईएल अपने ओ2सी खंड की कमाई में भारी गिरावट देख सकती है। सकल रिफाइनिंग मार्जिन (जीआरएम) में अनुमानित रूप से प्रति बैरल 1.6 डॉलर की गिरावट के साथ-साथ इसकी रिफाइनरी बंद होने और पेट्रोकेमिकल प्रसार में कमी की वजह से कम आमदनी देखने को मिल सकती है। पिछले साल की तुलना में वित्त वर्ष 24 की तीसरी तिमाही के दौरान आरआईएल के खंड वार प्रदर्शन में समान रुख दिखने की उम्मीद है।

# रिजर्व बैंक ने हाउसिंग फाइनेंस कंपनियों के लिए सख्त नियमों का रखा प्रस्ताव

**संशोधित नियम सार्वजनिक जमा स्वीकार करने या रखने वाली एचएफसी पर लागू होंगे**

**मुंबई ।**

आरबीआई ने एक मसौदा परिपत्र जारी किया, जिसमें न्यूनतम पूंजी जरूरत और जमा लेने के नियमों जैसे कई क्षेत्रों में गैर-बैंकिंग वित्त कंपनियों (एनबीएफसी) के साथ आवास वित्त कंपनियों (एचएफसी) के नियमों को सुसंगत बनाने का प्रस्ताव है। आरबीआई ने कहा कि उसने जमा लेने वाली एचएफसी के लिए जमा निर्देशों, हेजिंग उद्देश्यों के लिए विभिन्न डेरिवेटिव उत्पादों में एचएफसी की भागीदारी, अन्य वित्तीय उत्पादों में विविधीकरण और खाता एग्रीगेटर पारिस्थितिकी तंत्र के तहत तकनीकी विशिष्टताओं को अपनाने की समीक्षा की है।मसौदा परिपत्र में एनबीएफसी के साथ एचएफसी नियमों के और अधिक सामंजस्य के हिस्से के रूप में जमा स्वीकार करने वाली एनबीएफसी के लिए कुछ निर्देशों की समीक्षा करने का प्रस्ताव है। मसौदा परिपत्र आगे चलकर एचएफसी के लिए और अधिक कड़े नियमों का प्रावधान करता है। इस समय एचएफसी एनबीएफसी की तुलना में जमा स्वीकृति पर

आसान विवेकपूर्ण मापदंडों के अधीन हैं। आरबीआई ने कहा कि चूंकि जमा स्वीकृति से जुड़ी नियामकीय चिंताएं एनबीएफसी की सभी श्रेणियों में समान हैं, इसलिए एचएफसी को जमा स्वीकार करने पर नियामक व्यवस्था की ओर ले जाने का निर्णय लिया गया है, जो जमा लेने वाली एनबीएफसी पर लागू होती है। संशोधित नियम सार्वजनिक जमा स्वीकार करने या रखने वाली एचएफसी पर लागू होंगे। आरबीआई ने कहा कि योजना के अनुसार जमा लेने वाली एचएफसी को 30 सितंबर, 2024 तक तरल संपत्ति का प्रतिशत 14 प्रतिशत और 31 मार्च, 2025 तक 15 प्रतिशत तक ले जाना होगा। यह भी निर्णय लिया गया है कि नियमों के सामंजस्य के हित में एचएफसी के लिए तरल संपत्तियों की सुरक्षित हिरासत पर नियमों को एनबीएफसी के साथ जोड़ा जाएगा।

# महिंद्रा और ऑन्टेरियो टीचर्स पेंशन प्लान बोर्ड ने इनविट पेश किया

### शुरुआती पेशकश के तौर पर इन विट से 1,365 करोड़ की पूंजी जुटाई गई

**नई दिल्ली ।**

महिंद्रा समूह और वैश्विक संस्थागत निवेशक ऑन्टेरियो टीचर्स पेंशन प्लान बोर्ड ने भारत में अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में 1.54 गीगावॉट क्षमता की परिसंपत्तियों वाले इन्फ्रास्ट्रक्चर निवेश ट्रस्ट (इनविट) को सह-प्रायोजित किया है। महिंद्रा समूह ने कहा कि इनविट सस्टेनेबिलिटी एनर्जी इन्फ्रा ट्रस्ट (एसईआईटी) अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में भारत का सबसे बड़ा इनविट है और शुरुआती पेशकश के तौर पर इससे 1,365 करोड़ रुपये की पूंजी जुटाई गई। कई वैश्विक और भारतीय निवेशकों (एशियन इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक समेत) ने इस इनविट में निवेश किया है। एसईआईटी ने सोमवार को एनएसई पर अपनी शुरुआत की। एसईआईटी की स्थापना भारत में बड़े पैमाने पर नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र के विकास पर ध्यान केंद्रित करने के लिए की गई है। एसईआईटी की यूनिट बिक्री के लिए पेशकश के जरिये महिंद्रा सस्टेन को 897.9 करोड़ रुपये उपलब्ध होने से उसे आगामी अक्षय ऊर्जा परिसंपत्तियों के विकास में मदद मिलेगी। महिंद्रा सस्टेन और एसईआईटी ने अपनी विकास योजनाओं के तहत इनविट रेग्युलेशंस के अनुपालन में राइट ऑफ फर्स्ट ऑफर (आरओएफओ) समझौता किया है जिससे महिंद्रा सस्टेन द्वारा विकसित नवीकरणीय ऊर्जा संपत्तियों को एसईआईटी को बिक्री के लिए पेश किया जाएगा। महिंद्रा ग्रुप और ऑन्टेरियो टीचर्स, दोनों ने महिंद्रा सस्टेन और एसईआईटी में 3,050 करोड़ और 3,550 करोड़ रुपये तक का निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई थी।

महिंद्रा ग्रुप के एक वे रिष्ठ अधिकारी ने कहा कि महिंद्रा सस्टेन ने अगले पांच साल में पांच गुना वृद्धि का लक्ष्य हासिल करने की योजना बनाई है और वह समूह तथा देश के हरित ऊर्जा लक्ष्यों, दोनों में अपना योगदान बरकरार रखेगी।

# अफगानिस्तान के खिलाफ क्लीन स्वीप के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

**बेंगलुरू (एजेंसी)।** भारतीय क्रिकेट टीम बुधवार को यहां अफगानिस्तान को तीसरे और अंतिम टी20 मैच में भी हराकर 3-0 से सीरीज जीतने के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम ने पहले ही दो मैच आसानी से जीते हैं, ऐसे में वह इस तीसरे मैच में भी जीत की प्रबल दावेदार नजर आती है। आगामी टी20 विश्व कप को देखते हुए ये भारतीय टीम का अंतिम मैच है। ऐसे में सभी खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहेंगे। इस मैच में उन खिलाड़ियों को भी अवसर मिल सकता है जो अभी तक बेंच पर रहे हैं। भारतीय टीम पहले दोनो ही मैचों की तरह ही इस मैच में भी अपनी आक्रामक रणनीति से ही उतरेगी।

अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने इंदौर में 16 गेंद में 29 रन बनाए और ऐसे में वह इस मैच में बड़ा स्कोर बनाना चाहेंगे। उन्होंने अफगानिस्तान के खिलाफ मैच में स्पिनरों का भी आसानी से मुकाबला करते हुए तेजी से रन बनाये। वह आम तौर पर स्पिनरों के खिलाफ धीमा खेलते हैं पर इस मैच में वह अलग ही अंदाज में नजर आये। इसके अलावा शिवम दुबे और यशस्वी जायसवाल भी इस मैच में बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगे।

भारत की नजरें इस मैच में भी अपने युवा खिलाड़ियों पर रहेंगी। पहले दो मैचों में विफल रहे कप्तान रोहित शर्मा इस मैच में बड़ी पारी खेलकर लय हासिल करना चाहेंगे। वह पहले मैच में रन आउट हो गए जबकि दूसरे मैच में शुरुआत में ही आउट हो गये थे। रोहित के फॉर्म से टीम प्रबंधन चिंतित नहीं होगा पर अंतिम मैच में सभी उनसे बड़ी पारी की उम्मीद करेंगे। इस मैच में स्पिनर कुलदीप यादव और तेज गेंदबाज आवेश खान को अवसर मिल सकता है।

कुलदीप के आने पर रवि बिश्नोई या वॉशिंगटन सुंदर में से किसी एक को बाहर बैठना पड़ेगा जबकि आवेश को मुकेश कुमार की जगह अवसर मिल सकता है। इसके अलावा विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा ने

पिछले कुछ समय से लगातार खेला है। ऐसे में उनकी जगह पर विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को शामिल किया जा सकता है। दूसरी ओर अफगानिस्तान की टीम इस मैच में अपनी पूरी ताकत लगा देगी। उसका लक्ष्य अपनी गेंदबाजी और बल्लेबाजी को बेहतर करना रहेगा। टीम को सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज के अलावा इब्राहिम जदरान और हजरतुल्लाह जजई से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीदें रहेंगी। अफगानिस्तान टीम अब तक के दोनो ही मैचों में भारतीय गेंदबाजी और बल्लेबाजी के सामने कहीं नहीं टिकी। उसे इस सीरीज में अपने स्टार स्पिनर राशिद खान की कमी भी खली है। इसके बाद भी टीम को इस सीरीज से सीखने को काफी कुछ मिला है।

## टीम

**भारत** - रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, वाशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, रवि बिश्नोई, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, आवेश खान, मुकेश कुमार।

**अफगानिस्तान** - इब्राहिम जदरान (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), इकराम अलीखिल (विकेटकीपर), हजरतुल्लाह जजई, रहमत शाह, नजीबुल्लाह जादरान, मोहम्मद नबी, करीम जनत, अजमतुल्लाह उमरजई, शराफुद्दीन अशरफ, मुजीब उर रहमान, फजलहक फारूकी, फरीद अहमद , नवीन उल हक, नूर अहमद, मोहम्मद सलीम, कैस अहमद, गुलबदीन नायब, राशिद खान।

# एग्नेस नगेटिच ने 10 किमी दौड़ में विश्व रिकॉर्ड तोड़ा, 29 मिनट से भी कम समय में पूरी की रेस

**बार्सिलोना (एजेंसी)।** केन्या की एग्नेस नगेटिच ने स्पेन में वालेंसिया इबरकाजा रोड रेस जीतकर 29 मिनट से कम समय में 10 किमी दौड़ने वाली पहली महिला बन गईं हैं। 22 वर्षीय खिलाड़ी ने 28 मिनट 46 सेकंड में रेस पूरी की और इथियोपिया के यालेमज़र्फ येहुआलाव के 2022 रोड वर्ल्ड रिकॉर्ड को तोड़ दिया। हमवतन इमैक्युलेट आन्यांगो ने भी 29 मिनट से कम समय में दौड़ लगाई और 28-57 में दूसरे स्थान पर रहे।

नगेटिच ने महिलाओं की एकमात्र दौड़ में बीट्राइस चेबेट के 5 किमी के 14-13 के विश्व रिकॉर्ड की बराबरी भी की जिसे उन्होंने दो सप्ताह पहले बनाया था। नगेटिच के 10 किमी के समय ने महिलाओं के 10,000 मीटर ट्रैक के 29-01.03 के विश्व रिकॉर्ड को तोड़ा जो इथियोपिया की लेटेसेनबेट गिडी के पास था। नगेटिच ने सितंबर में महिलाओं की एकमात्र दौड़ में 29-24 के समय के साथ 10 किमी का विश्व रिकॉर्ड बनाया था।

नगेटिच ने कहा, 'मैं बहुत खुश हूं। ईमानदारी से कहूं तो, मेरा स्पष्ट लक्ष्य विश्व रिकॉर्ड तोड़ना था लेकिन 28-46 किसी भी उम्मीद से परे है। जब मैंने आधे रास्ते में 14-13 देखा तो मैं डरी नहीं, इसने मुझे अंत तक प्रयास जारी रखने के लिए बहुत प्रेरित किया।'

अब वह मार्च में विश्व एथलेटिक्स क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप बेलग्रेड 24 और फिर पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों पर ध्यान केंद्रित करेंगी, जहां अगस्त में एथलेटिक्स नंबर 1 खेल होगा। उन्होंने कहा, 'मैं बेलग्रेड के लिए केन्याई ट्रायल करूंगी, जहां मैं पिछले साल के अपने कांस्य पदक में सुधार करना चाहूंगी।'

# पार्थिव पटेल का जितेश शर्मा को लेकर बड़ा दावा, कहा- 'उनका टी20 वर्ल्ड कप में खेलना लगभग तय'

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज पार्थिव पटेल का मानना है कि युवा क्रिकेटर जितेश शर्मा का टी20 वर्ल्ड कप 2024 टीम में जगह बनाना लगभग तय है। इसका कारण जितेश का तेज अंदाज में बल्लेबाजी करना नहीं, बल्कि संयोजन है।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर के अनुसार, जितेश शर्मा वही भूमिका रहे हैं जो 2022 वर्ल्ड कप में दिनेश कार्तिक ने निभाई थी। वह निचले क्रम में बल्लेबाजी कर रहे हैं जितेश ने अफगानिस्तान के खिलाफ पहले टी20 में 20 गेंदों में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 31 रन बनाए थे जबकि दूसरे मैच में वह बिना खाता खोले ही आउट हो गए।

पार्थिव पटेल ने जियो सिनेमा से कहा कि, भारत का विकल्प शायद एक ऐसा विकेटकीपर रखना है जो निचले क्रम में बल्लेबाजी कर सके। अगर आपको निचले क्रम पर बल्लेबाजी करनी है तो आपको एक विनाशकारी बल्लेबाज की जरूरत है। जितेश शर्मा जिस तरह से खेल रहे हैं वह एक बेहद अच्छा विकल्प हैं और मुझे लगता है कि टी20 वर्ल्ड कप के लिए उनका टिकट थोड़ा छपना शुरू हो गया है।

टी20 में रोहित शर्मा और विराट कोहली की वापसी के साथ, भारतीय टीम प्रबंधन के लिए चयन सिरदर्द बना हुआ है। सीधे शब्दों में कहें तो कोहली-रोहित ने सुनिश्चित किया है कि शीर्ष क्रम में किसी और को मौका न मिले। इसलिए, ईशान किशन और संजू सैमसन का भी प्लेइंग इलेवन में जगह बनाना संदिग्ध है क्योंकि दोनों टॉप 5 में बल्लेबाजी करते हैं।

इससे फिनिशर के लिए फिनिशर के लिए विकल्प खुला रह जाता है जो फिनिशर की भूमिका बखूबी निभा सकता है। जितेश शर्मा ने अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है। हालांकि, उन्होंने लगातार 20 और 30 रन नहीं बनाए हैं, लेकिन उन्होंने 20 गेंदों में 31, 19 गेंदों में 35 और 16 गेंदों में 24 रन जैसी पारियां खेली हैं।

# दीप्ति शर्मा को आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ खिताब से नवाजा गया

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारतीय स्टार ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा को दिसंबर 2023 के लिए आईसीसी महिला खिलाड़ी ऑफ द मंथ चुना गया है। इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो टेस्ट मैचों में उनके शानदार प्रदर्शन और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे मैच में शानदार प्रदर्शन ने उन्हें ये खिताब दिलाया। इंग्लैंड पर टेस्ट जीत में, नंबर 7 पर बल्लेबाजी करते हुए दीप्ति ने अहम भूमिका निभाते हुए 67 रन बनाए और गेंद से 7 रन पर 5 विकेट और 32 रन पर 4 विकेट झटके।

पिछेल साल दिसंबर के महीने में दीप्ति ने 2 टेस्ट मैच इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले थे। इन 2 मुकाबलों में इस खिलाड़ी ने 55 की शानदार औसत के साथ 165 रन बनाए थे। वहीं 10.81 की शानदार औसत के साथ 11 विकेट भी झटके थे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दीप्ति ने दूसरे वनडे में 5 विकेट हॉल भी लिए थे। दीप्ति के अलावा जेमिमा रोड्रिगेज और जिम्बाब्वे क्रिकेट टीम की प्रेशियस मरांज भी नामांकित हुई थीं।

# विराट और अनुष्का को प्राण प्रतिष्ठा के लिए आमंत्रण मिला

**मुम्बई (एजेंसी)।** भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली को अयोध्या में 22 जनवरी को होने वाली रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के लिए आमंत्रण मिला है। विराट कोहली और उनकी पत्नी अनुष्का शर्मा को उनके घर पर ये न्यौता दिया गया। इसकी तस्वीरें भी सामने आई है। जिसमें निमंत्रण पाकर दोनों काफी खुश दिखे। वहीं इससे पहले पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी और तीरंदाज दीपिका कुमारी को भी प्राण प्रतिष्ठा के लिए निमंत्रण मिला था। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट प्राण प्रतिष्ठा के लिए सभी क्षेत्रों

की प्रमुख हस्तियों को आमंत्रित कर रहा है।

इससे पहले श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कहा कि मैसूर स्थित अरुण योगीराज द्वारा बनाई गई राम लला की एक नई मूर्ति को अयोध्या में राम मंदिर में स्थापना के लिए चुना गया है और 18 जनवरी को इसे श्री रामजन्मभूमि तीर्थ पर गर्भगृह में स्थापित किया जाएगा। राय ने कहा कि 22 जनवरी को अयोध्या धाम में अपने नव्य भव्य मंदिर में श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम और पूजन विधि 16 जनवरी से शुरू हो जाएगी, जबकि जिस प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा की जानी है, उसे 18 जनवरी को गर्भ गृह में अपने आसन पर खड़ा कर दिया जाएगा।

# चयन समिति में बदलाव के लिए बीसीसीआई ने दिया विज्ञापन

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने चयन समिति में बदलाव के लिए आवेदन मांगे हैं। बीसीसीआई की चयन समिति में अभी पांच सदस्य हैं जिसमें से किसी एक को हटाया जा सकता है। अजित आगरकर अभी चयन समिति के अध्यक्ष हैं जबकि सलिल अंकोला, शिवसुंदर दास, एस. शरथ और सुब्रतो बनर्जी हैं इसके सदस्य हैं। बीसीसीआई ने चयन समिति के सदस्य के लिए विज्ञापन भी जारी किया है। बीसीसीआई ने हालांकि यह जानकारी नहीं दी है कि चयन समिति में से किसे हटाया जा सकता है। बीसीसीआई नियमों के अनुसार चयन समिति में हर क्षेत्र का एक सदस्य होता है पर अभी इस चयन समिति में पश्चिचमी क्षेत्र से दो सदस्य अजित आगरकर और सलिल अंकोला ही हैं जबकि उत्तरी क्षेत्र से कोई सदस्य नहीं हैं। वहीं शिवसुंदर दास, एस. शरथ और सुब्रतो बनर्जी पूर्वी , दक्षिण और मध्य क्षेत्र के सदस्य हैं। अब चयन समिति में से एक सदस्य उत्तरी क्षेत्र से लिया जा सकता है क्योंकि चेतन शर्मा के इस्तीफे के बाद से ही ये खाली है। पश्चिचमी क्षेत्र के अभी दो सदस्य हैं मुख्य चयनकर्ता अजित आगरकर और अंकोला। ऐसे में अंकोला की जगह पर किसी नये सदस्य को लिया जा सकता है।

# रोहित टी20 में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने वाले दूसरे बल्लेबाज

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान कप्तान रोहित शर्मा की टी20 प्रारुप में वापसी अब तक सफल नहीं रही है। रोहित अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज के पहले ही दो मैच में खाता नहीं खोल पाये। इससे उनके फार्म पर सवाल उठने लगे हैं। रोहित पहले मुकाबले में बिना कोई रन बनाए दूसरी गेंद पर ही रन आउट हो गये। वहीं दूसरे मुकाबले में भी पहली गेंद पर वह साफ बोल्ड हो गए। इस प्रकार रोहित के नाम एक ऐसा रिकार्ड जुड़ गया है जो वह नहीं चाहते थे। रोहित अब टी20 प्रारुप में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने वाले बल्लेबाजों में दूसरे नंबर पर पहुंच गये हैं। वहीं आयरलैंड के पॉल स्टारलिन सबसे ज्यादा बार टी20 अंतरराष्ट्रीय में शून्य पर आउट होने वाले बल्लेबाज हैं। स्टारलिन 13 बार उनके इस प्रारुप में खाता नहीं खोल पाये थे जबकि रोहित 12 बार शून्य पर आउट हुए हैं। अब रोहित को तीसरे मुकाबले में रन बनाने होंगे क्योंकि आगामी विश्वपक को देखते हुए उन्हें ही कप्तानी की जिम्मेदारी मिलने की उम्मीद है। भारतीय टीम की तरफ से कप्तान के तौर पर खेलते हुए रोहित टी20 में सबसे ज्यादा छह बार शून्य पर आउट हुए हैं जबकि दूसरे नंबर पर रहे लोकेश राहुल पांच बार खाता नहीं खोल पाये।

# टीम इंडिया को मिला हार्दिक का विकल्प, कमाल कर रहा शिवम का बल्ला

### --चौके-छक्कों से होती है शुरुआत, मैच में ठोंक रहा फिफ्टी पर फिफ्टी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारतीय क्रिकेट टीम को अब हार्दिक पंड्या का विकल्प मिल गया है। क्रिकेट का धाकड़ ऑलराउंडर शिवम दुबे इन दिनों खूब चौके-छक्के मार रहा है। जानकार बता रहे हैं कि यदि चोटिल होने की वजह से हार्दिक बाहर भी रहते हैं तो टीम इंडिया को यह बल्लेबाज आईसीसी टी20 विश्व कप जिता देगा। जाहिर है कि शिवम ने आईसीसी टी20 विश्व कप से पहले अपनी आखिरी सीरीज में गजब का खेल दिखाया है। तीन मैचों की सीरीज में लगातार दूसरी जीत दर्ज करने के साथ ही अफगानिस्तान के खिलाफ अजेय बढ़त से ट्रॉफी पर कब्जा जमाया है। भारत के लिए अच्छी खबर यह है कि वर्ल्ड कप जैसे बड़े टूर्नामेंट से पहले ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या का तगड़ा विकल्प मिल चुका है। लगातार चोटिल होने वाले इस खिलाड़ी को फिफ्टी पर फिफ्टी जड़ने वाला खूंखार ऑलराउंडर रिप्लेस करने को तैयार है। भारत ने अफगानिस्तान के खिलाफ उम्मीद के

मुताबिक धुंआधार खेल दिखाया है। तीन मैचों की सीरीज के शुरुआती दो मुकाबलों में एकतरफा जीत के साथ ही अजेय बढ़त हासिल कर ली है। पहला मैच 6 विकेट से जीतने के बाद दूसरे मुकाबले में भी इतनी ही बड़ी जीत दर्ज की।

हालांकि इन दोनों ही मुकाबले में भारत के लिए टीम में वापसी कर रहे ऑलराउंडर ने फिफ्टी लगाई है। इसी तरह रविवार 14 जनवरी को पहले बल्लेबाजी करते हुए 172 रन का स्कोर खड़ा किया। जवाब में टीम इंडिया ने यशस्वी जायसवाल की तूफानी फिफ्टी के बाद शिवम दुबे की धुंआधार पारी के दम पर 15.4 ओवर में 4 विकेट गंवाकर ही जीत दर्ज कर ली। भारत के पास तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर के तौर पर अब तक हार्दिक पंड्या पहली पसंद हुआ करते थे। डेब्यू के बाद से ही लगातार चोटिल होने की वजह से वह टीम से ज्यादातर बाहर ही बैठे हैं। अब आईसीसी टी20 विश्व कप में भी वह उपलब्ध नहीं हो पाए तो रोहित शर्मा के पास शिवम दूबे जैसा धाकड़ ऑलराउंड है जिसने वापसी के बाद मैच में टॉप फॉर्म दिखाया है।

बता दें कि टीम इंडिया के लिए 2019 में टी20 डेब्यू करने के बाद शिवम दुबे ने अब दमदार वापसी की है। अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज के पहले दो मैच में इस खिलाड़ी ने धमाकेदार बल्लेबाज कर लगातार फिफ्टी लगाई है। शिवम ने मोहाली टी20 में 40 गेंद पर नाबाद 60 रन और फिर इंदौर में 32 बॉल पर 63 रन की नॉटआउट पारी खेल इस ऑलराउंडर ने बेहतरीन वापसी की है। टी20 वर्ल्ड कप से पहले भारत के लिए वह विकेट भी चटका रहे हैं। उनका फॉर्म टीम इंडिया के लिए फैंस को राहत देने वाला है।

# मेस्सी 8वीं बार बने फीफा के सर्वश्रेष्ठ पुरूष खिलाड़ी, टाइब्रेकर मुकाबले में हालैंड को हराया

लंदन। अर्जेंटीना के लियोनेल मेस्सी ने अर्लिंग हालैंड को टाइब्रेकर में हराकर फीफा के सर्वश्रेष्ठ पुरूष फुटबॉलर का पुरस्कार जीता। राष्ट्रीय टीम के कोचों, कप्तानों, चुनिंदा पत्रकारों और प्रशंसकों द्वारा आनलाइन की गई वोटिंग के आधार पर मेस्सी और हालैंड दोनों को 48 अंक मिले। टाइब्रेकर में फैसला राष्ट्रीय टीमों के कप्तानों द्वारा '5 प्वाइंट' स्कोर या पहले स्थान पर रखे जाने के आधार पर किया गया। मेस्सी को 15 साल में आठवीं बार यह पुरस्कार मिला है। काइलियान एमबाप्पे तीसरे स्थान पर रहे। कोई भी खिलाड़ी पुरस्कार लेने नहीं पहुंचा था। पेरिस सेंट जर्मेन छोड़कर इंटर मियामी से जुड़े मेस्सी ने पिछले साल अक्टूबर में हालैंड और एमबाप्पे को हराकर आठवीं बार बलोन डिओर पुरस्कार जीता था। महिला वर्ग में स्पेन की विश्व कप चैम्पियन ऐताना बोनमाती को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया । उन्होंने पिछले साल बलोन डिओर भी जीता था। वह विश्व कप और चैम्पियंस लीग दोनों में प्लेयर आफ द टूर्नामेंट रही थीं। मैनचेस्टर युनाइटेड के कोच पेप गार्डियोला को पुरूष वर्ग में सर्वश्रेष्ठ कोच और इंग्लैंड की सरीना वीगमैन को महिला वर्ग में सर्वश्रेष्ठ कोच का पुरस्कार मिला।

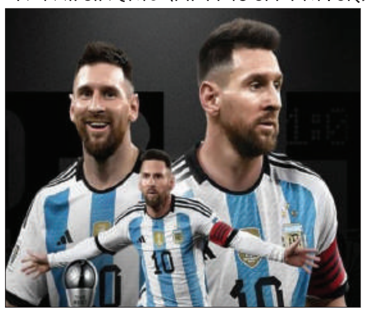

# इंडिया ओपन में जीत के साथ प्रणय की बेहतरीन शुरुआत, प्रियांशु ने लक्ष्य को बाहर किया

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत के शीर्ष खिलाड़ी और आठवें वरीय एचएस प्रणय ने मंगलवार को इंडिया ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत रोमांचक मुकाबले में सीधे गेम में जीत के साथ की जबकि प्रियांशु राजावत ने पुरुष एकल में पहला गेम गंवाने के बाद जोरदार वापसी करते हुए हमवतन लक्ष्य सेन को हराकर बाहर का रास्ता दिखाया।

विश्व चैंपियनशिप और एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता प्रणय ने दुनिया के 13वें नंबर के खिलाड़ी चीनी ताइपे के टिएन चेन चाउ को 42 मिनट में 21-6, 21-19 से हराया। टिएन चेन के खिलाफ प्रणय की 13 मैच में यह छठी जीत है। अगले दौर में दुनिया के नौवें नंबर के खिलाड़ी प्रणय की भिड़ंत प्रियांशु से होगी जिन्होंने पहला गेम गंवाने के बाद पूर्व चैंपियन लक्ष्य को एक घंटा और 15 मिनट चले मुकाबले में 16-21, 21-16 21-13 से हराया।

दुनिया के आठवें नंबर के खिलाड़ी प्रणय के खिलाफ टिएन चेन शुरुआत में बिलकुल भी लय में नजर नहीं आए। उन्होंने काफी सहज गलतियां की। वह कोर्ट से सामंजस्य बठाने में नाकाम रहे और उन्होंने कई बार कोर्ट के अंदर गिर रही शटल को छोड़ दिया। चीनी ताइपे के खिलाड़ी ने इसके अलावा कई शॉट नेट पर भीमारे। भारतीय खिलाड़ी की तेजी और सटीक शॉट का भी टिएन चेन के पास कोई जवाब नहीं था।

प्रणय ने मैच के बाद कहा, ''मैं अपनी योजना को अच्छी तरह से लागू करने में सफल रहा। उसे शुरुआती गेम में काफी परेशानी हो रही थी और वह कोर्ट से सामंजस्य नहीं बैठा पा रहा था जिसका मैंने फायदा उठाया। '' प्रणय ने मुकाबले की शानदार शुरुआत की और टिएन चेन की गलतियों का फायदा उठाकर 2-1 के स्कोर पर लगातार आठ अंक के साथ 10-1 की बढ़त बनाई। भारतीय खिलाड़ी ब्रेक के समय 11-2 से आगे था। प्रणय ने बढ़त को 13-2 किया और फिर इसे 16-4 तक पहुंचाया।

भारतीय खिलाड़ी ने 20-6 स्कोर पर 14 गेम प्वाइंट हासिल किए और फिर नेट पर आकर अंक जुटाते हुए पहला गेम आसानी से जीत लिया। दूसरे गेम में टिएन चेन ने शुरुआती दो अंक जुटाए लेकिन प्रणय ने लगातार चार अंक

के साथ 4-2 की बढ़त बनाई जिसमें क्रॉस कोर्ट स्मैश से जुटाए दो अंक भी शामिल थे। दूसरे गेम में भी हालांकि टिएन चेन ने पहले गेम की गलतियों को दोहराना जारी रखा। वह हालांकि इसके बावजूद प्रणय को अच्छी टक्कर देने में सफल रहे। उन्होंने क्रॉस कोर्ट स्मैश के साथ 7-6 की बढ़त बनाई और लगातार चार अंक के साथ ब्रेक तक 11-7 की बढ़त बनाने में सफल रहे। प्रणय ने इसके बाद कुछ शॉट नेट पर उलझाए और कुछ बाहर मारे जिससे टिएन चेन 14-8 से आगे हो गए।

# राष्ट्रीय खेलों में भाग लेने वाले 11 खिलाड़ियों का डोपिंग के लिए प्रतिबंध घटाया गया

नयी दिल्ली। पिछले साल गोवा राष्ट्रीय खेलों में भाग लेने वाले 11 खिलाड़ियों को डोपिंग आरोप तुरंत स्वीकार करने का फायदा मिला है और राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने उनका प्रतिबंध घटाकर तीन साल कर दिया है। इन खिलाड़ियों में ट्रैक एवं फील्ड के तीन एथलीट कमलजीत कौर (100 मीटर और 200 मीटर), अजय कुमार (5000 मीटर और 10000 मीटर) और हरजोधवीर सिंह (5000 मीटर और 10000 मीटर) भी शामिल हैं, जिन्होंने 25 अक्टूबर से 9 नवंबर तक गोवा में राष्ट्रीय खेलों में हिस्सा लिया था। नाडा ने अपनी नवीनतम सूची में उन खिलाड़ियों के नाम दिए हैं जिनका प्रतिबंध घटाकर तीन साल कर दिया गया है। डोपिंग के दोषी पाए गए खिलाड़ियों पर अमूमन चार साल का प्रतिबंध लगाया जाता है। इन खिलाड़ियों में तीन भारोत्तोलक प्रियदर्शनी थुरम (मेफेन्टरमाइन), मिथलेश सोनकर (एसएआरएम एलजीडी-4033) और एक नाबालिग (मिथाइलटेस्टोस्टेरोन) भी शामिल हैं लेकिन यह पता नहीं चला है कि उन्होंने राष्ट्रीय खेलों में अपनी स्पर्धा में भाग लिया था या नहीं। राष्ट्रीय खेलों में सात भारोत्तोलक डोपिंग के दोषी पाए गए थे। इनमें राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता वंदना गुप्ता भी शामिल थी। इनके अलावा जिन अन्य खिलाड़ियों के प्रतिबंध की अवधि घटाई गई है उनमें पहलवान अनिल मलिक और साइकिलिस्ट अनीता देवी भी शामिल हैं।

# यशस्वी को मिला रोहित शर्मा से गुरुज्ञान, विराट कोहली से लिया बैटिंग का मार्गदर्शन

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** इंडिया वर्सेस अफगानिस्तान में भारत के मैच जीतने के बाद याशस्वी जायसवाल की खूब चर्चा हो रही है। उन्होंने भी रोहित शर्मा से मिले गुरुज्ञान और विराट कोहली से मिले मार्गदर्शन के बारे में बातचीत की। इंदौर में बैटिंग को लेकर एक बातचीत में यशस्वी ने कहा कि काफी मजा आया बैटिंग करने में और विकेट भी काफी अच्छा था। हमारे सामने अच्छा टारगेट था, तो मेरे दिमाग में यही था कि टीम को अच्छी शुरुआत देनी है। याशस्वी ने कहा कि उसके हिसाब से अगर मैं अच्छा स्टार्ट देता हूं तो मैं उसको जारी रखूं। मैं अच्छे शॉट्स खेलते रहूं, जिस पर रन आते रहें। फजलहक फारूखी को रनआउट करने पर उन्होंने कहा कि रनआउट को लेकर मैं थोड़ा कन्फ्यूज था कि मारूं कि नहीं मारूं? तो मैंने सोचा कि मैं पहुंच कर ही आउट कर सकता हूं। तो मैं दौड़ गया और गेंद स्टंप्स पर लगा दी। मैच के दौरान रोहित शर्मा के साथ बातचीत को लेकर यशस्वी ने कहा, वो बोलते हैं कि तू जा और बिंदास खेल, जो तेरे शॉट्स हैं। वो हमेशा हमारे लिए उपलब्ध रहते हैं और हमारा ध्यान रखते हैं, यह शानदार है अगर आपके पास ऐसे सीनियर खिलाड़ी हैं। याशस्वी ने कहा कि अभी मुझे और मेहनत करनी है और अच्छा प्रदर्शन करना है, तो मैं इसी में लगा हुआ हूं। यशस्वी ने विराट कोहली के साथ दूसरे विकेट के लिए 57 रनों की साझेदारी निभाई। विराट के साथ बैटिंग को लेकर कहा, विराट भइया के साथ बैटिंग करना हमेशा ही बहुत ही बढ़िया लगता है। उनके साथ बैटिंग करना गर्व की बात है। हमारी यही बात हो रही थी कि हम इस विकेट पर किस एरिया में शॉट खेल सकते हैं। वहीं शिवम दुबे के साथ छक्के लगाने को लेकर हो रही बातों पर यशस्वी ने कहा कि दोनों ही बड़े अच्छे छक्के मारते हैं।

# खुद के प्रयत्न से बनें हीरो

जिंदगी में कभी भी किसी की बात सुनकर हम अपनी इच्छाओं को मार कर उसकी कही हुई बातों को मानकर आगे बढ़ने की कोशिश करते हैं। लेकिन रिजल्ट के तौर हमें मात्र निराशा के अलावा कुछ और प्राप्त नहीं होता। फिर हमारा जीवन कितना श्रेष्ठ बन जाय। तब हम कितने उत्कृष्ट बन जायं, परंतु हम अपने उत्साह को मंद हो जाने देते हैं, अपने निश्चय को टल जाने देते हैं और अपने संकल्प को नष्ट हो जाने देते हैं। यह आत्मवंचना है- यह अपने को ही धोखा देने वाली बात है कि मनुष्य यह सोचे कि मैं महान संकल्प करता हूं इसीलिए मैं महान कर्ता हूं।

मैं ऐसे एक व्यक्ति से परिचित हूं। यदि उसे कोई यह कह दे कि तुम कठोर परिश्रम नहीं करते हो तो वह इसमें अपना अपमान समझता है। पर एक योग्य मनुष्य होते हुए भी वह सफल नहीं हो सका। उसका सारा जीवन एक काम से दूसरे काम में और दूसरे से तीसरे काम में कूदते हुए बीता है। जल्दी-जल्दी काम बदलते रहने वाला मनुष्य सफल नहीं हो सकता। काम को बीच में ही छोड़ देने की आदत के चलते प्रबल से प्रबल कार्य की प्रवृत्ति नष्ट हो जाती है। जरूरत से ज्यादा से ज्यादा सावधानी और विश्वास का असर, ये दोनों कार्य प्रकृति के शत्रु हैं। जब हम उद्देश्य से प्रेरित होते हैं, तब काम करना कितना सरल होता है। उस समय उत्साह हमें अपने साथ दौड़ाते हुए ले जाता है परंतु जब हम कार्य के प्रति उत्साहहीन होते हैं, तब कार्य निरंतर टालते जाते हैं। निरुत्साह से कार्य करना मजबूरी है और उत्साह से कार्य करना खुशी की बात है। ज्ञान की प्यास और निरंतर प्रयत्न के द्वारा मनुष्य बुद्धिमान बनता है। श्रेष्ठ गुणों की कामना और प्रयत्न से वह संत बन जाता है और गौरवपूर्ण कायरे की आकांक्षा और प्रयत्न से जन नायक या हीरो बनता है। आकांक्षा और प्रयत्न के सहारे ही आप जैसा चाहें, वैसा बन सकते हैं। केवल इच्छा या कामना से ही कुछ नहीं होता।

# बढ़ रही है भाषाई शिक्षकों की मांग

आजकल भाषाई शिक्षकों की मांग दिनों दिन बढ़ती रही है। अगर आप की किसी भाषा पर अच्छी पकड़ है तो आप के पास अवसरों की कमी नहीं है।इसी को देखते हुए आजकल युवा इस क्षेत्र में कैरियर बनाने लगे है। भाषा शिक्षक को उस देश की संस्कृति, समाज और इतिहास तथा लोगों का ज्ञान होना जरूरी है, जिस देश की भाषा का वह ज्ञान दे रहा है। अन्य शब्दों में इसके अतिरिक्त एक भाषा शिक्षक को न केवल सीखने वाले के स्तर, अभिरुचि, जरूरत व अपेक्षा का ध्यान रखना चाहिए, बल्कि उसे विभिन्न विदेशी भाषाओं को पढ़ाने के तरीकों, औजारों और माध्यमों का ज्ञान भी होना चाहिए। बढ़ते वैश्वीकरण ने ऐसे लोगों की मांग बढ़ा दी है, जो दूसरी भाषाओं में बातचीत कर सकें। इसी के चलते भाषा विशेषज्ञों की मांग तेजी से बढ़ रही है।

### शुरुआती पारिश्रमिक

भाषा शिक्षकों को प्रति घंटे के आधार पर भुगतान किया जाता है, जो 600 से 700 रुपये हो सकता है। यह प्रत्येक संस्थान के हिसाब से अलग होता है। जापानी, कोरियाई इत्यादि भाषा के ग्रेजुएट केंद्रीय विश्वविद्यालयों में पढ़ाने वाले शिक्षकों से तीन से चार गुना अधिक वेतन प्राप्त करते हैं।

### कैसे हासिल करें मुकाम

संबद्ध विदेशी भाषा में स्नातकोत्तर डिग्री या समकक्ष योग्यता के बाद विदेशी भाषा को पढ़ाने के लिए एमफिल/ पीएचडी एक अनिवार्य योग्यता है, खासकर यूरोपीय भाषाओं के लिए।पूर्व एशियाई भाषाओं जैसे जापानी, चीनी, कोरियाई के लिए न्यूनतम अपेक्षित योग्यता स्नातकोत्तर डिग्री है। एक साल में दो बार होने वाली यूजीसी की नेट परीक्षा को पास करना अनिवार्य है। किसी निजी संस्थान में कोई भी विदेशी भाषा का शिक्षक बन सकता है, जो पढ़ाने में रुचि रखता हो और संबद्ध भाषा का पर्याप्त ज्ञान उसके पास हो।

# अपार संभावनाओं से भरा चार्टर्ड अकाउंटेंट क्षेत्र

पिछले कुछ सालों में भारत की अर्थव्यवस्था की स्थिति काफी अच्छी और बेहतर हो गई है। यही एक खास वजह है कि आज भारत पर सभी देश दांव लगा रहे हैं। इससे ना सिर्फ देश में युवाओं को बेहतर रोजगार उपलब्ध हो पा रहा है। बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी भारतवासियों का दबदबा कायम होता जा रहा है। इन सभी तथ्यों में सबसे महत्वपूर्ण है, फाइनेंस एवं अकाउंट्स। अगर यह ना हो तो समझ लो भारत किस दिशा में जा रहा है। या फिर कौन से देश की क्या स्थिति है किसी को भी मालूम नहीं पड़ सकेगी। इसलिए तेजी से विकास करती भारतीय अर्थव्यवस्था में फाइनेंस एवं अकाउंट्स से जुड़े कैरियर लोगों के आकर्षण का केंद्र बनते नजर आ रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों से मल्टीनेशनल कंपनियों के देश में आगमन से जॉब के क्षेत्र की रौनक भी बढ़ी है।

किसी भी संस्थान में चार्टर्ड अकाउंटेंट अथवा सीए का काम बेहद सम्मानजनक एवं चुनौतीपूर्ण होता है। वे उस संस्थान अथवा कंपनी से जुडे सभी अकाउंट एवं फाइनेंस संबंधी कार्यों के प्रति पूरी तरह से उत्तरदायी होते हैं। इसके अलावा इनका कार्य मनी मैनेजमेंट, ऑडिट अकाउंट का एनालिसिस, टैक्सेशन तथा फाइनेंशियल एडवाइज उपलब्ध कराने से भी संबंधित है। लेकिन सीए बनने का सपना तभी पूरा हो पाता है, जब छात्र इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट ऑफ इण्डिया काउंसिल द्वारा आयोजित कॉमन प्रॉफिशिएंसी टैस्ट (सीपीटी) में सफलता हासिल करें।

### कैसा है सीए का काम

कंपनी एक्ट के अनुसार केवल सीए ही भारतीय कंपनियों में बतौर ऑडिटर नियुक्त किए जा सकते हैं। इसका फायदा देख कर ही कई अंतरराष्ट्रीय कंपनियां चार्टर्ड अकाउंटेंसी के क्षेत्र में कदम रख रही हैं। देश की अर्थव्यवस्था को नियंत्रित करने, इससे जुड़े सिस्टम का ऑडिट और उसे सर्टिफाई करने का काम सीए के जिम्मे होता है।बैंक व शेयर से अलग हट कर विभिन्न टैक्सों के भुगतान का हिसाब-किताब भी सीए के जिम्मे होता है। बैंक भी अपना सालाना ऑडिट सीए से ही कराते हैं। किसी संस्था या व्यक्ति को लोन देने या शेयरों की खरीद-फरोख्त में भी बैलेंस शीट देखी जाती है।

### बारहवीं उत्तीर्ण होना जरूरी

इस परीक्षा में वही छात्र बैठ सकते हैं, जिन्होंने किसी मान्यताप्राप्त संस्थान से बारहवीं की परीक्षा उत्तीर्ण कर ली हो। साथ ही उसने आईसीएआई में अपना रजिस्ट्रेशन करा लिया हो। रजिस्ट्रेशन की फीस 1500 रुपए निर्धारित की गई है। इसमें ट्यूशन फीस भी शामिल है।

### दो है प्रश्न पत्र की संख्या

सीपीटी टैस्ट पेपर-पेंसिल बेस्ड टैस्ट है। यह परीक्षा एक ही दिन दो पेपरों के रूप में आयोजित की जाती है। पहला पेपर 10.30 से 12.30 तक, जबकि दूसरा सत्र 2.00 से 4.00 तक चलता है। दो घंटे के पहले पेपर में दो सेक्शनों अकाउंटिंग व मर्केंटाइल पर प्रश्न पूछे जाते हैं और इसके लिए 100 अंक निर्धारित होते हैं, जबकि दूसरा पेपर भी दो घंटे और 100 अंकों का होता है।

### बहुविकल्पीय होते प्रश्न पत्र

पूछे जाने वाले प्रश्न बहुविकल्पीय होते हैं तथा छात्रों को कई विकल्पों में से किसी एक का चयन करना होता है। हिन्दी में प्रश्नों का उत्तर देने के लिए उन्हें बुकलेट में हिन्दी माध्यम का चयन करना होता है, जबकि अंग्रेजी माध्यम के छात्र अंग्रेजी भाषा का चयन कर सकते हैं।

### माइनस मार्किंग के फेर से बचें

सीपीटी में निगेटिव मार्किंग का प्रावधान है। गलत उत्तर दिए जाने पर एक चौथाई अंक काट लिया जाता है, इसलिए छात्र पहले उन्हीं प्रश्नों का जवाब दें, जो उन्हें अच्छी तरह से पता हों। जिनका जवाब नहीं मालूम है, उन्हें छोड़ कर आगे बढ़ जाएं। बाद में समय बचने पर उन पर एक सरसरी नजर डाल लें।

# फाइनेंशियल प्लानिंग सेविंग का भविष्य

इस आधुनिक जमाने में जहां एक ओर लोगों के पास सभी जरूरी आयामों के ऑप्शन बड़ी आसानी से पहुंच रहे हैं। वहीं दूसरी ओर इसका असर लोगों के ही जेब पर पड़ रहा है। ऐसे में एक क्षेत्र ऐसा है जिसमें आप अपने कैरियर को नया मोड़ दे सकते हैं। वर्ल्ड के फास्टेस्ट ग्रोइंग प्रोफेशंस में से एक है फाइनेंशियल प्लानिंग। इस सेक्टर में बढ़ते अवसरों को देखते हुए बडी संख्या में यंगस्टर्स इसमें कैरियर बनाने की सोच रहे हैं। वैसे तो दूसरों के फाइनेंसेज को मैनेज करना काफी चैलेंजिग है। टैक्स कैसे सेव किया जाए, बेस्ट इंश्योरेंस स्कीम कौन सी है, किस फंड में इनवेस्ट करना बेहतर होगा, कौन सा स्टॉक सेल करने पर फायदा होगा, कौन नहीं और रिटायरमेंट के बाद कैसे फाइनेंशियल जरूरतों को पूरा करेंगे। इससे रिलेटेड तमाम ऐसी एडवाइस एक कस्टमर को फाइनेंशियल एडवाइजर ही देता है। जाहिर है, ये थोड़ा ट्रिकी है, लेकिन यूथ इसे एक्सेप्ट कर आगे बढ़ रहा है।

### जरूरी योग्यता

एक फाइनेंशियल एडवाइजर अपने क्लाइंट्स के डायरेक्ट कॉन्टैक्ट में रहता है। उसकी रिस्पॉन्सिबिलिटी होती है कि वह कस्टमर को इनवेस्टमेंट के न्यू प्रॉस्पेक्ट्स के बारे में बताए, यानी सिर्फ सेविंग, लोन चुकाने या रिटायरमेंट की ही प्लानिंग नहीं, बल्कि एक फाइनेंशियल एडवाइजर बेस्ट स्ट्रेटेजी बनाता है। ऐसे में उसे ऑफिस इक्विपमेंट्स (कंप्यूटर, फैक्स मशीन, कैलकुलेटर) की अच्छी जानकारी होना बहुत जरूरी हैं। इसके साथ ही उनके पास स्ट्रॉन्ग रिटेन और ओरल कम्युनिकेशन स्किल होना भी बहुत जरूरी है।

### शुरुआती पारिश्रमिक

फाइनेंशियल सलाहाकार के तौर पर करियर की शुरुआत करने पर ज्यादातर कंपनियां सैलरी के साथ-साथ कमीशन भी देती हैं। वैसे, शुरुआती दौर में सैलरी 15 हजार से 30 हजार रुपये प्रति माह हो सकती है। वहीं, एक्सपीरियंस्ड प्रोफेशनल्स की सैलरी 1.5 से 2 लाख रुपये महीने हो सकती है।

### शैक्षणिक योग्यता

फाइनेंस सेक्टर में करियर बनाने के लिए आप कैट एग्जाम के जरिए इंडिया के किसी भी अच्छे कॉलेज में दाखिला ले सकते हैं। इस सेक्टर में हायर एजुकेशन के लिए किसी भी स्ट्रीम में बैचलर डिग्री का होना जरूरी है। वैसे, पहले केवल कॉमर्स के स्टूडेंट ही इस क्षेत्र में कैरियर बनाते थे, लेकिन इसमें बढते स्कोप को देखते हुए बीएससी (मैथ-बायो), बीए, बीबीए और बीई के स्टूडेंट भी अब रुचि ले रहे हैं। इस सेक्टर में कैरियर बनाने के लिए आप चाहें तो एमबीए इन फाइनेंस, एमएस इन फाइनेंस, मास्टर डिग्री इन फाइनेंशियल इंजीनियरिंग, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन फाइनेंस, मास्टर्स इन कमोडिटी एक्सचेंज आदि जैसे कोर्स कर सकते हैं।

### रोजगार का भविष्य

बाजार में ऑप्शंस फाइनेंशियल एडवाइजर किसी कंपनी में अकाउंटेंट, ऑडिटर, इकोनॉमिस्ट, इंश्योरेंस सेल्स एजेंट, इंश्योरेंस अंडरराइटर, लोन ऑफिसर, पर्सनल फाइनेंशियल एडवाइजर, टैक्स इंस्पेक्टर, रेवेन्यू एजेंट के तौर पर काम कर सकते हैं। फाइनेंस में ग्रेजुएशन करने के बाद आप किसी फाइनेंशियल न्यूज पेपर, मैगजीन में रिपोर्टर या फाइनेंशियल एनालिस्ट के रूप में काम कर सकते हैं।

बैंक, इंश्योरेंस और ट्रेडिंग कंपनियां अपने फाइनेंशियल प्रोडक्ट्स जैसे लोन, इंश्योरेंस, शेयर, बॉन्ड्स और म्युचुअल फंड को बेचने के लिए फाइनेंशियल एडवाइजर्स को अप्वाइंट करती हैं। विदेशों में भी फाइनेंशियल एडवाइजर्स की मांग काफी ज्यादा है।

## चीन में इन्फ्लूएंजा के मरीजों में हो रहा इजाफा,तबाही के आसार

बीजिंग। चीन में एक बार फिर कोरोना जैसी महामारी के आसार बन रहे हैं। यहां लगातार इन्फ्लूएंजा के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। चीन के स्वास्थ्य अधिकारियों के मुताबिक देश में कोरोना संक्रमण और भी बढ़ सकता है, इसके केस में बढ़ोतरी होने की संभावना है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग के प्रवक्ता एमआई फेंग ने जानकारी देते हुए बताया कि अस्पतालों और क्लीनिकों में बुखार के रोगियों की संख्या में उतार चढ़ाव देखा गया है। इनमें से ज्यातार लोगों में सांस लेने संबंधी बीमारी देखी गई है। इन्फ्लूएंजा की वजह से लोग बीमार हो रहे है।राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग के प्रवक्ता एमआई फेंग का कहना है कि सर्दियों की छुट्टियां और वसंत महोत्सव के चलते लोगों को ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। क्यों की छुट्टियों के चलते आवाजाही बढ़ेगी, लोग एक जगह इकट्ठा होंगे जिससे संक्रमण तेजी से फैल सकता है। बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं, बच्चों में संक्रमण के तेजी से फैलने का डर है। ऐसे में इनके लिए टीकाकरण की व्यवस्था की जानी चाहिए। विशेषज्ञों का मानना है कि चीन में सर्दी के मौसम में इन्फ्लूएंजा वायरस के मरीज बढ़ेंगे, जिससे जनवरी में कोरोना महामारी फिर से बढ़ सकती है, जिसमें छ्ह।1 वैरिएंट के बढ़ने की ज्यादा संभावना है। चीन के दक्षिणी प्रांतों में अक्टूबर के महीने में इन्फ्लूएंजा की वजह से लोग बीमार पड़े। इसके बाद यहां इन्फ्लूएंजा बी वायरस फैलने लगा। ग्लोबल टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक कुछ प्रांतों में इन्फ्लूएंजा बी वायरस का अनुपात इन्फ्लूएंजा ए से काफी ज्यादा है। विशेषज्ञों की मानें तो इन्फ्लूएंजा ए से संक्रमित होने के बाद इन्फ्लूएंजा बी से लड़ने के लिए लोगों में प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है। ऐसे में लोगों को जल्द से जल्द इन्फ्लूएंजा का टीका लगाना जरूरी है। संक्रामक रोग विभाग के निदेशक वांग गुइकियांग का कहना है कि सर्दी के मौसम में ज्यादातर लोगों को सांस लेने में दिक्कत होती है, जिससे बार बार संक्रमण होने का खतरा बना रहता है। ऐसे में इसके तुरंत उपचार की जरूरत है।

## सड़क हादसे के दौरान सोमाली क्षेत्र में 11 लोगों की हुई मौत

अदीस अबाबा । पूर्वी इथियोपिया के सोमाली क्षेत्र में एक सड़क दुर्घटना में 11 लोगों की मौत के समाचार मिले हैं। भीषण सड़क दुर्घटना में 12 लोग घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया है। स्थानीय अधिकारियों ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि यह दुर्घटना रविवार को सोमाली क्षेत्र के फफान क्षेत्र में उस समय हुई जब एक मालवाहक ट्रक एक मिनी बस से टकरा गया। इस टक्कर में 11 लोगों की मौत हो गई और 12 अन्य घायल हो गए। स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि 12 घायलों का फिलहाल नजदीकी स्वास्थ्य संस्थानों में इलाज चल रहा है। फिलहाल पुलिस हादसे के संभावित कारणों की जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि पूर्वी अफ्रीकी देश में प्रति व्यक्ति कार स्वामित्व दर दुनिया में सबसे कम है, लेकिन घातक यातायात दुर्घटनाएँ अपेक्षाकृत आम दिन में होती ही रहती हैं। जबकि खराब सड़कों, लापरवाही से गाड़ी चलाने, सुरक्षा नियमों को लागू करने में ढिलाई और ड्राइविंग लाइसेंस जारी करने की दोषपूर्ण प्रणाली को इसका कारण बता दिया जाता है।

## व्यापार व विकास को बढ़ावा देने डब्ल्यूटीओ में शामिल होगा इराक

बगदाद । इराक के राष्ट्रपति अब्दुल लतीफ राशिद ने कहा कि व्यापार व विकास को बढ़ावा देने के लिए इराक डब्ल्यूटीओ में शामिल होगा। राशिद ने सोमवार को कहा कि उनका लक्ष्य देश की व्यापार प्रणाली को बढ़ावा देने और सतत विकास हासिल करने के लिए विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में शामिल होना है। राष्ट्रपति कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार राशिद ने डब्ल्यूटीओ में सऊदी प्रतिनिधि सकर अल-मुकबेल के साथ एक बैठक के दौरान यह बात कही। दरअसल मुकबेल संगठन में इराक के विलय को संभालने के लिए एक टीम का नेतृत्व करते हैं। राष्ट्रपति राशिद ने कहा कि इराक डब्ल्यूटीओ में शामिल होने के लिए आवश्यक व्यापार और आर्थिक मानकों को पूरा करने के लिए उत्सुक है और सऊदी टीम को उसके प्रयासों के लिए धन्यवाद भी दिया। इराक के व्यापार मंत्री अतीर अल-घुरैरी ने अल-मुकबेल के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा कि इराक का लक्ष्य सुधारों के माध्यम से वैश्विक अर्थव्यवस्था में एक प्रभावशाली खिलाड़ी बनना है। वहीं अल-मुकबेल ने कहा कि सऊदी अरब डब्ल्यूटीओ की बोली में राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इराक का भरपूर समर्थन करेगा।

## आईआरजीसी के मिसाइल हमले में चार की मौत, छह हुए घायल

बगदाद । इराक के अर्ध-स्वायत्त क्षेत्र कुर्दिस्तान की राजधानी अरबील शहर पर ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) द्वारा किए गए मिसाइल हमले में चार लोगों की मौत हो गई। वहीं छह लोग घायल हो गए है। क्षेत्रीय सुरक्षा अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी देते हुए बताया ?कि सोमवार को रात 11ः30 बजे आईआरजीसी ने अरबील में कई आबादी वाले नागरिक क्षेत्रों पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। शुरुआती रिपोर्टों से पता चला है कि हमले में चार नागरिकों की मौत हो गई और छह घायल हो गए। बयान में कहा गया कि एक स्थिर क्षेत्र के रूप में अरबील कभी भी किसी भी पक्ष के लिए खतरे का स्रोत नहीं रहा है। मिसाइल हमले को कुर्द क्षेत्र और इराक की संप्रभुता का स्पष्ट उल्लंघन बताया गया है। संघीय सरकार और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से ऐसे हमलों के बारे में चुप नहीं रहने का भी आह्वान किया गया है। लोग बता रहे हैं कि अरबील के उत्तरी हिस्से में निर्माणाधीन अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के पास आधी रात के आसपास छह विस्फोटों की आवाज सुनी गई थी। इसके बाद आईआरजीसी ने एक बयान में कहा कि उसने क्षेत्र में जासूसी मुख्यालय पर मिसाइल हमले किए हैं। जो कि मिसाइलों द्वारा अपने लक्ष्यों पर किए गए हैं।

## ब्रिटेन के पंथ संगठनों ने सिख संस्थाओं को बादल परिवार से मुक्त कराने की मांग की

लंदन। गुरु नानक गुरुद्वारा समैदिक की प्रबंधन समिति और फेडरेशन ऑफ सिख ऑर्गेनाइजेशन यूके ने मांग की है कि सभी सिख संगठनों को बादल परिवार से मुक्त किया जाना चाहिए। इस आशय का प्रस्ताव पारित कर कहा है कि श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार शहीद भाई गुरदेव सिंह काउंके के हत्यारों को कड़ी सजा दी जाए। इसके अलावा प्रकाश सिंह बादल और कुछ पुलिस अफसरों पर आरोपियों को संरक्षण देने का आरोप लगाया गया है। साथ ही तख्त साहिब के जत्थेदार भाई रघबीर सिंह से अपील की गई कि वे बादल से फखरे कौम की उपाधि वापस लें और शहीद गुरदेव सिंह काउंके के परिवार को फखरे कौम की उपाधि दें। पंथक नेताओं ने शिरोमणि अकाली दल के उपेक्षित कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे अकाली दल और शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी सहित पूरे सिख संस्थान को बादल परिवार से मुक्त कराकर सच्चे अर्थों में अकाली बनें। पंथक इकट्ठ दौरान अमरीक सिंह गिल सिख फैडरेशन यूके।, कुलवंत सिंह, जस सिंह, लवशिन्दर सिंह डल्लेवाल यूनाईटिड खालसा दल यूके, जोगा सिंह बब्बर अकाली आर्गेनाइजेशन यूके, कुलदीप सिंह चहेडू सिख फैडरेशन यूके, जसपाल सिंह बैंस अकाली दल अमृतसर यूके , दविन्दरजीत सिंह, बलविन्दर सिंह, मनप्रीत सिंह, चरन सिंह, कुलदीप सिंह प्रधान गुरू नानक गुरदवारा प्रबंधक कमेटी समैदिक ने सिक्ख संगतां नूं सम्बोधन किया। पंथक सम्मेलन में भाई रघबीर सिंह बीरा, भाई जसपाल सिंह, भाई बलविंदर सिंह, भाई हरदीश सिंह और विभिन्न गुरुद्वारों के प्रबंधकों ने भाग लिया।

## जंग जीतने के बाद फिलिस्तीनी नागरिकों को सौंप देंगे गाजा

तेल अवीवी। इजराइल और हमास के बीच चल रही जंग अभी रुकी नहीं है और फिलहाल इसके रुकने के आसार भी नहीं दिख रहे हैं। इसी जंग के बीच दूसरे देशों की नजर है कि जंग के बाद गाजा पर किसका शासन होगा। इस सवाल का जवाब इजराइल के रक्षा मंत्री ने दे दिया है। उन्होंने साफ कर दिया है कि गाजा पर फिलिस्तीनी नागरिकों का शासन होगा। इजराइल के रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने कहा कि इजराइल के साथ युद्ध समाप्त होने के बाद फिलिस्तीनी गाजा पट्टी पर शासन करेंगे। गैलेंट ने कहा कि फिलिस्तीनी गाजा में रहते हैं और इसलिए भविष्य में वही इस पर शासन करेंगे। भविष्य की गाजा सरकार को गाजा पट्टी से बाहर निकलना होगा। हमास से युद्ध के अंत में गाजा पर कोई सैन्य खतरा नहीं होगा। हमास गाजा पट्टी पर शासन करने और सैन्य बल के रूप में कार्य करने में सक्षम नहीं होगा। उन्होंने कहा कि भावी सरकार एक नागरिक विकल्प होगी, लेकिन उन्होंने जोर देकर कहा कि इजराइली बलों को नागरिकों की रक्षा के उद्देश्य से ऑपरेशन की स्वतंत्रता होगी।

लास एंजिल्स में एमी अवार्ड के लिए पहुंची ड्रैग कलाकार।

## अगले 229 वर्षों तक दुनिया से नहीं मिटेगी गरीबी, सरकारें कर ले कितना भी प्रयास

लंदन ।अमीरी और गरीबी, दुनिया में सदियों से चली आ रही है। दुनियाभर में सरकारों के तमाम प्रयासों के बाद भी गरीबी मिट नहीं रही है। पिछले 3 साल में गरीब और बढ़े हैं, जबकि अमीरों की दौलत दोगुना हो गई है। एक रिपोर्ट में इसका खुलासा किया है। रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया के 5 सबसे अमीर शख्स, जिसमें एलन मस्क, बर्नार्ड अरनॉल्ट, जेफ बेजोस, लैरी एलिसन और मार्क जुकरबर्ग ने 2020 के बाद से इनकी संपत्ति दोगुनी होकर 869 बिलियन डॉलर हो गई है। हालांकि, इसी अवधि के भीतर दुनिया में 5 अरब लोग और गरीब हो गए हैं। रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि अगर अमीर और गरीबों के बीच यह आर्थिक असमानता और मौजूदा रुझान जारी रहा, तब अगले 229 वर्षों तक दुनिया से गरीबी खत्म नहीं होगी। रिपोर्ट में साफ किया गया हैं कि आगे भी अमीर और गरीब के बीच अंतर बढ़ने की संभावना है। साथ ही अगले 10 वर्षों दुनिया को पहला खरबपति उद्योगपति मिल जाएगा। 52 देशों में, लगभग 80 करोड़ श्रमिकों की औसत वास्तविक मजदूरी में गिरावट आई है। इन श्रमिकों को पिछले 2 वर्षों में संयुक्त रूप से 1.5 ट्रिलियन डॉलर का नुकसान हुआ है। रिपोर्ट में कहा गया कि, पिछले 3 सालों में कोरोना महामारी, रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते महंगाई ने अरबों लोगों को गरीब बनाया है। वहीं, दूसरी ओर दुनिया के कुछ गिने-चुने अरबपतियों की दौलत जबरदस्त तरीके से बढ़ी।

# मोदी के पास है भारतीय अर्थव्यव्था को बदलने का मौका: फरीद जकारिया

### -वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की चर्चा में पीएम मोदी को हिन्दू गौरव भुनाने में सक्षम बताया

**दावोस (एजेंसी)।** भारत के पीएम नरेन्द्र मोदी के पास भारतीय अर्थव्यवस्था को बदलने का मौका है, वह हिन्दू गौरव भुनाने में सक्षम नेता हैं। यह बात वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की चर्चा में जाने-माने पत्रकार और राजनीतिक विशेषज्ञ फरीद जकारिया ने कही। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी के पास एक बहुत शक्तिशाली विरासत छोड़ने और जवाहरलाल नेहरू के बाद सबसे महत्वपूर्ण भारतीय प्रधानमंत्री बनने का मौका है। दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के मौके पर मीडिया से बात करते हुए फरीद जकारिया ने कहा कि पीएम मोदी के पास भारत की अर्थव्यवस्था को बदलने का मौका है जो अभी भी बहुत संरक्षणवादी (प्रोटेक्शनिस्ट) है। मैं येल बोर्ड में था। तब हमने देखा कि भारत में बहुत सारे पिछड़े औपनिवेशिक, उत्तर-औपनिवेशिक नियम हैं जो विदेशी यूनिवर्सिटियों पर शक करते हैं। भारत में

टैरिफ अभी भी बहुत हाई हैं और भारत दुनिया में सबसे बड़ी प्रोटेक्शनिस्ट अर्थव्यवस्था है।

पत्रकार फरीद जकारिया ने कहा कि पीएम मोदी के पास नेहरू के बाद सबसे महत्वपूर्ण भारतीय पीएम के रूप में इतिहास में अपना नाम दर्ज कराने का मौका है। मुझे लगता है कि उनके लिए नेहरू से आगे निकलना कठिन होगा क्योंकि नेहरू भारत के पहले पीएम थे। और यह उन्हें उस व्यक्ति के रूप में एक अद्वितीय दर्जा देता है जिसने आधुनिक भारत और विशेष रूप से आधुनिक भारतीय लोकतंत्र की स्थापना की। लेकिन फिर भी मोदी के पास एक बहुत शक्तिशाली विरासत छोड़ने का मौका है। जकारिया ने कहा कि मुझे लगता है कि वह शायद दुनिया भर के इन सभी चुनावों में सबसे मजबूत स्थिति में हैं, क्यों? भारत अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। इसमें कुछ मोदी और उनकी नीतियां हैं और आपको इसका श्रेय उन्हें देना होगा। इसमें से 20 साल के सुधार भी शामिल हैं, जो भारत को एक निश्चित गति देने में सक्षम हैं।

पीएम मोदी ने भारतीयों के एक बड़े वर्ग हिंदू गौरव की नब्ज को समझ लिया है। वे एक सामान्य हिन्दू के मन में पैदा होने वाले गौरव को समझते हैं पीएम भारत के एलीट वर्ग के बाहर से आते हैं। वह पहले नॉन इलीटिस्ट प्रधानमंत्री हैं। आप नेहरू, गांधी परिवार, नरसिम्हा राव यहां तक की मनमोहन सिंह के बारे में सोचें तो वे सभी शिक्षा के आधार पर एक खास प्रकार की एलिट पृष्ठभूमि से आते थे, लेकिन नरेंद्र मोदी एक सामान्य हिंदू की नब्ज को समझते हैं। वे चाहते हैं कि वो इसका इस्तेमाल पॉजिटिव रूप में करें न कि लोगों को अलग-थलग करने में करें, वह इसका उपयोग सभी को ऊपर लाने के लिए भी कर सकते हैं।

## किम जोंग उन ने दी दक्षिण कोरिया को नक्शे से मिटा देने की धमकी

**सियोल (एजेंसी)।** उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन ने दक्षिण कोरिया को नक्शे से मिटा देने की धमकी दे डाली है। उनकी यह हरकत काफी चर्चा में हैं। इतना ही नहीं उन्होंने सोमवार को एक अलग देश के रूप में दक्षिण कोरिया की स्थिति को बदलने के लिए एक संवैधानिक संशोधन का आह्वान किया। हालांकि उन्होंने कहा कि उनका देश युद्ध नहीं चाहता है, लेकिन उसका इरादा इसे टालने का भी नहीं है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उत्तर कोरिया की रबर-स्टैंप संसद, सुप्रीम पीपुल्स असेंबली में एक भाषण में किम ने कहा कि यह उनका अंतिम फैसला है कि दक्षिण के साथ एकीकरण अब संभव नहीं है। जबकि उन्होंने दक्षिण कोरिया पर शासन के पतन और अवशोषण द्वारा एकीकरण की मांग करने का आरोप लगाया। किम ने आगे कहा कि हम युद्ध नहीं चाहते लेकिन इसे टालने का हमारा कोई इरादा नहीं है। मीडिया रिपोर्ट में कहा कि एकीकरण और अंतर-कोरियाई पर्यटन से जुड़े तीन संगठन बंद हो जाएंगे।

हालांकि यह कदम तब उठाया गया है जब कोरियाई प्रायद्वीप में हाल ही में मिसाइल परीक्षणों की एक श्रृंखला और प्योंगयांग द्वारा दशकों से चली आ रही नीति को तोड़ने और दक्षिण से अपने संबंध को बदलने के दबाव के कारण तनाव बढ़ गया है। जानकारों का मानना है कि उत्तर कोरिया का विदेश मंत्रालय दक्षिण कोरिया के साथ संबंधों को अपने हाथ में ले सकता है। वहीं विश्लेषकों ने कहा है कि उत्तर कोरिया का विदेश मंत्रालय सियोल के साथ संबंधों को अपने हाथ में ले सकता है, और संभावित रूप से भविष्य के युद्ध में दक्षिण कोरिया के खिलाफ परमाणु हथियारों के इस्तेमाल को उचित ठहराने में मदद कर सकता है।

## जर्मनी में किसानों के प्रदर्शन से राजधानी बर्लिन का आवागमन बंद

बर्लिन । जर्मन की सरकार द्वारा किसानों की कृषि सब्सिडी में कटौती कर दी गई है। डीजल पर मिलने वाली छूट को समाप्त कर दिया है। कृषि पर टैक्स लगा दिया गया है ।इसको लेकर जर्मनी के किसानों ने राजधानी बर्लिन को पूरी तरह से बंधक बना लिया है। पिछले कई दिनों से हजारों किसान ट्रैक्टर लेकर बर्लिन की राजधानी पहुंच रहे हैं। दिसंबर माह से यह आंदोलन पूरी जर्मनी में चल रहा है। पहले यह आंदोलन जगह-जगह हो रहा था। सरकार द्वारा सब्सिडी के संबंध में कोई निर्णय नहीं लिए जाने के बाद अब किसान राजधानी की ओर कूच कर रहे हैं। किसानों ने राजधानी को चारों ओर से घेरने की घोषणा की है। किसानों के इस आंदोलन से पूरी जर्मनी में अफरा तफरी का माहौल बन गया है।

## दुनियाभर से हमास ने इकट्ठे किए हथियार , कई बड़े देश बने सहयोगी

**गाजा (एजेंसी)।** इजरायल पर अचानक हमला वाले हमास ने दुनियाभर से हथियार इकट्ठे किए और उन्हें हमले में इस्तेमाल किया। इन ह?थियरों की सप्लाई में कई बड़े देशों का नाम आ रहा है, लेकिन कोई भी खुलकर सामने नहीं आ रहा है। जानकारी के अनुसार हमास के पास घातक हथियारों के जखीरे का पता चला है। इनमें ईरानी स्नाइपर राइफलें, चीन और रूस में बने एके-47 असॉल्ट राइफलें और उत्तर कोरियाई-बल्गेरियाई रॉकेट लैस ग्रेनेड प्रमुख हैं। इनके साथ एंटी-टैंक रॉकेट भी गाजा में गुप्त रूप से एक साथ जमा किए गए थे। हमास ने इजरायल पर पिछले साल 7 अक्टूबर को धावा बोला था। यह लड़ाई अभी तक चल रही है। करीब तीन महीनों की लड़ाई में लिए गए 150 से अधिक वीडियो और तस्वीरों का परीक्षण भी किया गया है। इससे पता चलता है कि आतंकवादी समूह ने दुनिया भर से हथियारों का जखीरा इकट्ठा किया। बताया जा रहा है कि इनमें से ज्यादातर हथियार पिछले कुछ वर्षों में तस्करी करके लाए गए हैं जो गाजा में हफ्तों चले भीषण युद्ध के दौरान घातक साबित हुए। जहां हमास के लड़ाके आम तौर पर केवल उन्हीं चीजों से लैस होते हैं जो वे ले जा सकते हैं।

गौरतलब है कि हथियारों और टेक्नोलॉजी में आगे इजरायली सैनिक के खिलाफ वे हिट-एंड-रन रणनीति अपनाते रहे हैं। पिछले कुछ हफ्तों में हमास की ओर से कुछ वीडियो पोस्ट किए गए हैं। इनमें स्नाइपर राइफलों के जरिए रिकॉर्ड किए गए दृश्य नजर आ रहे हैं, जहां इजरायली सैनिकों की गोलीबारी दिखाई देती है। हमास के प्रवक्ता गाजी हमद ने हाल ही कहा था कि हम हर जगह से हथियारों की ताक में हैं। हम राजनीतिक समर्थन की तलाश कर रहे हैं और पैसे की भी जरूरत है। हालांकि, इस दौरान उन्होंने यह बताने से इनकार कर दिया कि उन्हें हथियार कौन मुहैया करा रहा है और उन्हें गाजा तक कैसे ले जाया जा रहा है।

## आयोवा कॉकस जीतने के बाद डोनाल्ड ट्रंप का पहला रिएक्शन, दुनिया के लिए एक साथ आएं रिपब्लिकन हो या डेमोक्रेट या लिबरल

**आयोवा (एजेंसी)।** आयोवा कॉकस जीतने के बाद डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने समर्थकों से कहा कि यह अच्छा होगा यदि हर कोई एक साथ आ सके और दुनिया को ठीक कर सके और जो समस्याएं और मौत और विनाश देख रहा है उसे ठीक कर सके। आयोवा कॉकस में अपनी जीत के तुरंत बाद अपने भाषण में पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति ने सभी राजनीतिक विचारधाराओं के अमेरिकियों के एक साथ आने का आह्वान किया और मौजूदा जो बाइडेन के खिलाफ अपना हमला जारी रखते हुए उन्हें अब तक का सबसे खराब राष्ट्रपति कहा। मुझे सच में लगता है कि अब समय आ गया है कि हमारे देश के सभी लोग एक साथ आएं, चाहे वह रिपब्लिकन हो या डेमोक्रेट या लिबरल या कंजर्वेटिव हो।

रिपब्लिकन पार्टी के प्रबल दावेदार के रूप में उभरे ट्रंप सोमवार शाम को आयोवा राज्य की राजधानी डेस मोइनेस में अपने अभियान की वॉच पार्टी में अपने समर्थकों को संबोधित कर रहे थे। लगातार तीसरी बार रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद का नामांकन जीतने की दिशा में यह उनका पहला आधिकारिक कदम है। ट्रंप ने कहा कि यह बहुत अच्छा होगा यदि हम एक साथ आ सकें और दुनिया को सीधा कर सकें, और समस्याओं को सुलझा सकें,

और उस सभी मौत और विनाश को सीधा कर सकें जो हम देख रहे हैं, जो व्यावहारिक रूप से कभी भी ऐसा नहीं था। यह बहुत महत्वपूर्ण है।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति पद के आगामी चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी का उम्मीदवार चुनने की लंबी प्रक्रिया की शुरुआत करने वाले आयोवा कॉकस में जीत हासिल कर ली। आयोवा कॉकस में दूसरे स्थान के लिए फ्लोरिडा के गवर्नर आर डीसैंटिस और पार्टी का उम्मीदवार बनने की दौड़ में शामिल इकलौती महिला एवं संयुक्त राष्ट्र की पूर्व राजदूत निक्की हेली के बीच मुकाबला है। डीसैंटिस और हेली पूर्व राष्ट्रपति के शीर्ष विकल्प के तौर पर एक दूसरे को टक्कर दे रहे हैं।

## इरान में विदेश मंत्री जयशंकर ने भारतीय जहाजों पर हुए हमलों को बताया चिंताजनक

**तहरान (एजेंसी)।** भारतीय जहाजों पर हुए हमलों को लेकर भारत ने इरान के सामने ने केवल चिंता व्यक्त की बल्कि साफकह भी दिया है कि इस तरह की घटनाएं पूरी दुनिया के लिए चिंताजनक हैं। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपने ईरान दौरे पर भारत के आसपास पोतों पर हमलों को अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए गंभीर चिंता का विषय बताते हुए कहा कि ऐसे खतरों का भारत की ऊर्जा जरूरतों और आर्थिक हितों पर सीधा असर पड़ता है। जयशंकर ने ईरान के अपने समकक्ष हुसैन अमीर अब्दुल्लाहियान के साथ बातचीत के बाद एक संयुक्त प्रेस बयान जारी किया। इसमें विदेश मंत्री ने कहा कि हाल में हिंद महासागर के इस महत्वपूर्ण हिस्से में समुद्री वाणिज्यिक यातायात की सुरक्षा के लिए खतरे काफी बढ़ रहे है। उन्होंने इजराइल-हमास संघर्ष के बीच ईरान समर्थित यमन के हूती विद्रोहियों द्वारा सबसे व्यस्त व्यापार मार्गो में शामिल लाल सागर में वाणिज्यिक पोतों को निशाना बनाने पर इस बात पर जोर दिया कि यह महत्वपूर्ण है कि इस मुद्दे से तत्काल निपटा जाए।

दरअसल विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ईरान के समकक्ष होसैन अमीर-अब्दुल्लाहियन से मुलाकात की और उनकी चर्चा रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण चाबहार बंदरगाह और उत्तर-दक्षिण कनेक्टिविटी परियोजना में भारत की भागीदारी पर केंद्रित थी। जयशंकर दोनों पक्षों के बीच जारी उच्च स्तरीय संवाद के तहत ईरान के दौरे पर हैं। उन्होंने ईरान के राष्ट्रपति डॉ इब्राहिम रईसी से भी मुलाकात की और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की शुभकामनाएं दीं। जयशंकर ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि,आज तेहरान में ईरानी विदेश मंत्री अमीर-अब्दुल्लाहियन के साथ चर्चा हुई। हमारी बातचीत चाबहार बंदरगाह और आईएनएसटीसी कनेक्टिविटी परियोजना के साथ भारत की भागीदारी के लिए दीर्घकालिक ढांचे पर केंद्रित थी। उन्होंने क्षेत्र में समुद्री हमलों पर भी बात की और जोर देकर कहा कि इस मुद्दे का तेजी से समाधान किया जाए।अमेरिका और ब्रिटेन ने यमन में हूती ठिकानों को निशाना बनाकर हवाई हमले किए हैं।

इससे पहले जयशंकर ने अपने ईरान में सड़क और शहरी विकास मंत्री मेहरदाद बज्रपाश से मुलाकात करके अपने कार्यक्रम की शुरुआत की थी। मुलाकात के दौरान दोनों पक्षों ने रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण चाबहार बंदरगाह पर दीर्घकालिक सहयोग ढांचा स्थापित करने पर विस्तृत और सार्थक चर्चा की थी। जयशंकर ने बज्रपाश के साथ अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे (आईएनएसटीसी) पर भी बातचीत की। भारत क्षेत्रीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए चाबहार बंदरगाह परियोजना पर जोर दे रहा है, खासकर अफगानिस्तान से इसके संपर्क के लिए। ताशकंद में 2021 में एक संपर्क (कनेक्टिविटी) सम्मेलन में जयशंकर ने चाबहार बंदरगाह को अफगानिस्तान सहित एक

प्रमुख क्षेत्रीय पारगमन केंद्र के रूप में पेश किया था। चाबहार बंदरगाह को आईएनएसटीसी परियोजना के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में भी देखा जाता है।

वहीं भारत लाल सागर में उभरती स्थिति पर करीब से नजर रख रहा है। जयशंकर और अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के बीच फोन पर हुई बातचीत में यह मुद्दा उठा था। जयशंकर ने ईरानी विदेश मंत्री के साथ बैठक के बाद कहा कि एजेंडे में अन्य मुद्दे गाजा, अफगानिस्तान, यूक्रेन और ब्रिक्स सहयोग थे। बाद में, उन्होंने ईरानी राष्ट्रपति रईसी से मुलाकात की और उन्हें ईरानी मंत्रियों के साथ अपनी सार्थक चर्चा से अवगत कराया। जयशंकर ने कहा कि इस्लामिक गणराज्य ईरान के राष्ट्रपति डॉ इब्राहिम रईसी से मुलाकात कर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। ईरान की समाचार एजेंसी ने कहा कि उन्होंने क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम पर भी चर्चा की।

# क्रांतिकारी संत थे गुरु गोविंद सिंह

इतिहास में गुरु गोविंद सिंह एक विलक्षण क्रांतिकारी संत व्यक्तित्व है। गुरु गोविंद सिंह जी सिखों के दसवें गुरु हैं। गुरु नानक देव की ज्योति इनमें प्रकाशित हुई, इसलिए इन्हें दसवीं ज्योति भी कहा जाता है। बिहार राज्य की राजधानी पटना में गुरु गोविंद सिंह जी का जन्म हुआ था। सिख धर्म के नौवें गुरु तेग बहादुर साहब की इकलौती संतान के रूप में जन्मे गोविंद सिंह की माता का नाम गुजरी था।

श्री गुरु तेग बहादुर सिंह ने गुरु गद्दी पर बैठने के पश्चात आनंदपुर में एक नए नगर का निर्माण किया और उसके बाद वे भारत की यात्रा पर निकल पड़े। जिस तरह गुरु नानक देव ने सारे देश का भ्रमण किया था, उसी तरह गुरु तेग बहादुर को भी आसाम जाना पड़ा।

इस दौरान उन्होंने जगह-जगह सिख संगत स्थापित कर दी। गुरु तेग बहादुर जी जब अमृतसर से आठ सौ किलोमीटर दूर गंगा नदी के तट पर बसे शहर पटना पहुंचे तो सिख संगत ने अपना अथाह प्यार प्रकट करते हुए उनसे विनती की कि वे लंबे समय तक पटना में रहें। ऐसे समय में नवम् गुरु अपने परिवार को वहीं छोड़कर बंगाल होते हुए आसाम की ओर चले गए।

पटना में वे अपनी माता नानकी, पत्नी गुजरी तथा कृपालचंद अपने साले साहब को छोड़ गए थे। पटना की संगत ने गुरु परिवार को रहने के लिए एक सुंदर भवन का निर्माण करवाया, जहां गुरु गोविंद सिंह का जन्म हुआ। तब गुरु तेग बहादुर को आसाम सूचना भेजकर पुत्र प्राप्ति की बधाई दी गई।

पंजाब में जब गुरु तेग बहादुर के घर सुंदर और स्वस्थ बालक के जन्म की सूचना पहुंची तो सिख संगत ने उनके अगवानी की बहुत खुशी मनाई। उस समय करनाल के पास ही सिआणा गांव में एक मुसलमान संत फकीर भीखण शाह रहता था। उसने ईश्वर की इतनी भक्ति और निष्काम तपस्या की थी कि वह स्वयं परमात्मा का रूप लगने लगा।

पटना में जब गुरु गोविंद सिंह का जन्म हुआ उस समय भीखण शाह अपने गांव में समाधि में लिप्त बैठे थे। उसी अवस्था में उन्हें प्रकाश की एक नई किरण दिखाई दी जिसमें उसने एक नवजात जन्मे बालक का प्रतिबिंब भी देखा। भीखण शाह को यह समझते देर नहीं लगी कि दुनिया में कोई ईश्वर के प्रिय पीर का अवतरण हुआ है। यह और कोई नहीं गुरु गोविंद सिंह जी ही ईश्वर के अवतार थे। उन्होंने एक नारा दिया था %वाहे गुरु जी का खालसा, वाहे गुरु जी की फतेह%।

गुरु गोविंद सिंह एक महान कर्मप्रणेता, अद्वितीय धर्मरक्षक, ओजस्वी वीर रस के कवि के साथ ही संघर्षशील वीर योद्धा भी थे। उनमें भक्ति और शक्ति, ज्ञान और वैराग्य, मानव समाज का उत्थान और धर्म और राष्ट्र के नैतिक मूल्यों की रक्षा हेतु त्याग एवं बलिदान की मानसिकता से ओत-प्रोत अटूट निष्ठा तथा दृढ़ संकल्प की अद्भुत प्रधानता थी तभी स्वामी विवेकानंद ने गुरुजी के त्याग एवं बलिदान का विश्लेषण करने के पश्चात कहा है कि ऐसे ही व्यक्तित्व के आदर्श सदैव हमारे सामने रहना चाहिए।

# सिख धर्म में पंज प्यारे कौन होते हैं?

पंज को हिन्दी में पांच कहते हैं अर्थात 'पांच प्यारे।' सिख धर्म में पंज प्यारे कौन थे यह बहुत कम लोग नहीं जानते होंगे। जो नहीं जानते है उनके लिए जानना जरूरी है। कहते हैं कि 'पंज प्यारे' बहुत ही बहादुर पांच लोग होते हैं। आओ जानते हैं कि 'पंज प्यारे' कौन होते हैं।

पंच प्यारे खालसा पंथ से जुड़े हैं। कहते हैं कि गुरु गोविंद सिंह के समय मुगल बादशाह औरंगजेब का आतंक जारी था। उस दौर में देश और धर्म की रक्षार्थ सभी को संगठित किया जा रहा था। सिखों के गुरु तेग बहादुर सिंहजी की हत्या के बाद उनके बेटे गुरु गोविंद सिंहजी 10वें गुरु गुरु गद्दी पर बैठे।

एक बार गुरुजी ने धर्म की रक्षार्थ बलिदान देने के लिए 3 मार्च, 1699 को वैशाख के दिन केशगढ़ साहिब के पास आनंदपुर में एक सभा बुलाई। इस सभा में हजारों लोग इकट्ठा हुए। यह भी कहा जाता है कि इस दौरान दुर्गा का यज्ञ रखा गया था। उन्होंने लोगों को परखने के लिए एक लीला रची। वे इस सभा में अपने हाथ में एक नंगी तलवार लेकर पहुंचे और कहने लगे कि 'मुझे एक व्यक्ति का सिर चाहिए, जो देना चाहता हो वो आगे आएं।' यह भी कहा जाता है कि गुरुजी ने कहा था कि, देवी दुर्गा ने बलिदान मांगा है। क्या आप में से कोई ऐसा वीर है, जो देवी की प्रसन्नता के लिए अपना सिर दे सके?'

सभा में कुछ देर सन्नाटा छाया रहा। उन्होंने इस तरह तीन बार आह्वान किया कि क्या कोई है जो अपना सिर दे सके? तभी 30 वर्षीय लाहौर के निवासी भाई दयाराम खत्री उठे और वे गुरुजी के सामने शीश नवाकर खड़े हो गए। गुरुजी उसे अपने साथ तंबू के अंदर ले गए और खून से सनी तलवार लेकर बाहर निकले।

फिर से उन्होंने लोगों से कहा कि एक और बलिदान चाहिए। जो देना चाहता हो वह सामने आए। चुपचाप खड़ी भीड़ में से तभी 33 वर्षीय दिल्ली निवासी भाई धर्मसिंह जाट ने आगे आकर सिर झुका दिया। गुरुजी उसे भी अंदर ले गए और खून से सनी तलवार के साथ बाहर आए। सभी यह घटना देखकर स्तब्ध थे।

तीसरी बार गुरुजी ने आकर फिर कहा कि और कोई है जो बलिदान देने के लिए तैयार हो? अब की बार 36 वर्षीय मोखम या मोहकचंद धोबी आगे आए। गुरुजी उनको भी तंबू में ले गए और इस बार तंबू के बाहर रक्त की धार बहती दिखाई दी।

गुरुजी इस बार रक्त से पूर्णतः सनी हुई तलवार लेकर बाहर आए और फिर से वहीं मांग की। इस बार दोनों बार क्रम से 33 वर्षीय बीदर निवासी भाई साहबचंद नाई और 38 वर्षीय जगन्नाथ निवासी भाई हिम्मतराय कुम्हार ने अपना सिर गुरुजी के समक्ष खड़े होकर झुका दिया। दोनों की वही दशा हुई जो प्रथम तीन की हुई थी।

***बलिदान के इस दृश्य को देखकर लोगों की भावनाएं उमड़ पड़ी और संपूर्ण जनसमूह गुरुजी से कहने लगा कि- 'हमारा सिर लीजिए, हमारा सिर लीजिए।'***

फिर गुरुजी तंबू में गए और आखिर में वे उन पांचों को लेकर बाहर आए जिन्होंने सबसे पहले सिर देना स्वीकार किया था। उन पांचों ने सफेद पगड़ी और केसरिया रंग के कपड़े पहने हुए थे। यही पांच युवक उस दिन से 'पंच प्यारे' कहलाए।

तब गुरुदेव ने वहां उपस्थित सिक्खों से कहा, आज से ये पांचों मेरे पंच प्यारे हैं। इनकी निष्ठा और समर्पण से खालसा पंथ का आज जन्म हुआ है। आज से यही तुम्हारे लिए शक्ति का संवाहक बनेंगे। यही ध्यान, धर्म, हिम्मत, मोक्ष और साहिब का प्रतीक भी बने।

***तभी तो गुरु गोविंद सिंह ने कहा 'सवा लाख से एक लड़ाऊं, चिड़ियों से मैं बाज तुड़ाऊ- तब गोविंद सिंह नाम कहाऊ।'***

इन पंच प्यारों को गुरुजी ने अमृत (अमृत यानि पवित्र जल जो सिख धर्म धारण करने के लिए लिया जाता है) चखाया। इसके बाद इसे बाकी सभी लोगों को भी पिलाया गया। इस सभा में हर जाती और संप्रदाय के लोग मौजूद थे। सभी ने अमृत चखा और खालसा पंथ के सदस्य बन गए।

# चिड़ियों से मैं बाज तुड़ाऊं, तबै गोबिंदसिंघ नाम कहाऊं

दसवें गुरु श्री गुरु गोबिंदसिंघ जी का जनम पोह माह की सप्तमी संवत् 1723 को पटना शहर में हुआ। वे नवम् गुरु तेगबहादर व माता गुजरी की इकलौती संतान हैं। बचपन में ही उन्हें अपने पिता से दूर रहना पड़ा किंतु उनकी शिक्षा-दीक्षा विधिवत चलती रही। उन्होंने संस्कृत, हिंदी, फारसी, गुरमुखी आदि सीखने के साथ इतिहास आदि विषयों का गहन अध्ययन किया। तलवार-बंदूक सहित अनेक शस्त्र चलाने व घुड़सवारी में भी उन्होंने निपुणता हासिल की। गुरु गोबिंदसिंघ महाराज बाल्यावस्था से अधर्म के विरुद्ध अपने मित्रों में जोश व उत्साह भरते थे। बचपन में अपने मित्रों की दो टोलियां बांटकर झूठ-मूठ की लड़ाईयां करना उनका प्रिय खेल था। युवावस्था में उन्होंने अधर्म के लिए अनेक लड़ाईयां लड़ी तथा वे अपने सामान्य शिष्यों में भी वही जोश भरते थे कि समय आने पर दुश्मन की सेना को हिलाकर रख देते थे। उनकी युद्ध सेना में नाई, ब्राम्हण, क्षूद्र, लोहार, जाट, कुम्हार, झीवर, चमार, ग्वाल, सुनार, बनिया आदि 36 जातियों के लोग शामिल थे। उनकी वीरता के अनेक प्रसंग इतिहास में उल्लेखित हैं और उन स्थानों पर उनकी याद में अनेक गुरुद्वारे आज भी सुशोभित हैं।

हरियाणा राज्य स्थित अंबाला शहर में जिस स्थान पर आज प्रसिद्ध गुरुद्वारा बादशाही बाग पा. 10 वीं है वहां श्री गुरु गोबिंदसिंघजी महाराज फाल्गुन माह की पूरनमासी को आए। गुरुजी के साथ मामा क्रिपालचंद व कई शिष्य थे। गुरु गोबिंदसिंघजी नीले घोड़े पर सवार, हाथ में बहुत सुंदर गहरे रंग का शाही बाज जो शोभा पा रहा था। उस नगर का नवाब अमीरदीन अपना बाज लेकर रस्ते में खड़ा था। जब गुरुजी उसके नजदीक पहुंचे तो गुरुजी का सुंदर शाही बाज देखकर उसका मन प्रलोभित हो गया और उसने गुरुजी को कहा कि आप अपना बाज मेरे बाज से लड़वाएं।

अंतर्यामी गुरुजी समझ गए कि नवाब के मन में बेईमानी है और वह कूटनीति से बाज लेना चाहता है। तब गुरु गोबिंदसिंघजी ने अमीरदीन से कहा कि हम अपने शाही बाज को तुम्हारे बाज से नहीं बल्कि चिड़ियों से तुम्हारा बाज लड़ाएंगे। पीर ने कहा चिड़िया तो बाज का भोजन है, वह बाज से नहीं लड़ सकती। गुरुजी ने फिर भी दूसरी बार उसे कहा कि हम चिड़िया से ही तुम्हारा बाज लड़वाएंगे। नवाब ने गुस्से में गुरुजी को कहा निकालो चिड़ियाएं, कहां है ? उस समय सामने बोहड़ के वृक्ष पर दो चिड़ियां बैठी थीं। गुरुजी ने उन चिड़ियों को जिस्मानी और रुहानी शक्ति का वरदान देकर हुकुम दिया कि इस बाज से लड़ो। गुरु गोबिंदसिंघजी का हुकुम होते ही दोनों चिड़ियों ने नवाब के बाज से युद्ध करना आरंभ कर दिया। जिस स्थान पर चिड़ियों ने बाज से लड़ाई शुरु की वहां वर्तमान में 'गुरुद्वारा बादशाही बाग' पा. 10 वीं, अंबाला, हरियाणा नाम से सुशोभित है। गुरु महाराज के आशीर्वाद से चिड़ियों ने बाज से ऐसी लड़ाई की कि बाज को जख्मी करते हुए काफी आगे ले गईं।

गुरु गोबिंदसिंघ महाराज, नवाब अमीरदीन व संगत इस युद्ध का नजारा देखते हुए आगे बढ़े। चिड़ियों ने बाज को इतना गंभीर जख्मी कर दिया कि बाज ने गिरते ही एक कुंए के समीप दम तोड़ दिया। जिसे देखकर गुरुजी ने कुंए के स्थान पर खड़े होकर वचन फरमाया

卐चिड़ियों से मैं बाज तुड़ाऊं, तबै गोबिंदसिंघ नाम कहाऊं।卐

जिस स्थान पर चिड़ियों ने बाज को जख्मी कर कुंए के समीप गिराया वहां आज 'गुरुद्वारा गोबिंदपुरा साहिब, पा. 10 वीं', सुशोभित है। गुरुजी ने इस कुंए के जल को आशीर्वाद देकर वचन फरमाया कि जो भी स्त्री-पुरुष पूरनमासी के दिन यहां स्नान कर हाजरी भरेगा उसे मन वांछित फल प्राप्त होगा।

ऐसे महान, शिष्यों में उत्साह-जोश भरने वाले पूर्ण गुरु व परमेश्वर के अवतार गुरु गोबिंदसिंघजी का जन्म पोह सुदी सप्तमी संवत 1723 को पटना षहर में हुआ, जिसकी इस वर्ष समगणित अंग्रेजी तारीख 17 जनवरी 2024 बुधवार को है, उनकी 357 वीं जयंती पर उनके पावन चरणों में शत-शत-प्रणाम।

# गुरु गोविंद सिंह के 15 अनमोल वचन, बदल देंगे आपके जीने का नजरिया...

वर्ष 2024 में 17 जनवरी, बुधवार के दिन गुरु गोविंद सिंह जी की जयंती मनाई जा रही है। बिहार के पटना में जन्मे गुरु गोविंद सिंह जी सिखों के 10वें गुरु और खालसा पंथ के संस्थापक हैं। वे अपने जीवन में एकता, सत्य, प्रेम, मधुरता और सहनशीलता के लिए पहचाने जाते हैं। गुरु गोविंद सिंह जी का जन्म पौष सुदी सप्तमी को हुआ था। उनका वास्तविक नाम गोविंद राय रखा गया था।

### आइए यहां गुरु गोविंद सिंह जी की जयंती के अवसर पर पढ़ें 15 अनमोल वचन

1. गोविंद सिंह जी कहते हैं जब आप अपने अंदर बैठे अहंकार को मिटा देंगे, तभी आपको वास्तविक शांति की प्राप्त होगी।
2. हे प्रभु, मुझे अपना आशीर्वाद प्रदान करें, ताकि मैं कभी भी अच्छे कर्मों को करने में जरा भी संकोच ना करूं।
3. इंसान को वैभव, सुख और स्थायी शांति तब ही प्राप्त होगी, जब कोई व्यक्ति अपने भीतर बैठे स्वार्थ को पूरी तरह से समाप्त कर देगा।
4. भगवान के नाम के अलावा आपका कोई भी सच्चा मित्र नहीं है। अतः सदा ईश्वर का स्मरण करें।
5. आप अपने द्वारा किए गए अच्छे कर्मों से ही ईश्वर को प्राप्त कर सकते हैं और ईश्वर भी हमेशा अच्छे कर्म करने वालों की सहायता करता है।
6. ईश्वर के सभी अनुयायी इसी का चिंतन करते हैं और इसी को देखते हैं।
7. अगर आप केवल अपने भविष्य के विषय में ही सोचते रहेंगे, तो अपने वर्तमान को भी खो देंगे।
8. भगवान ने सभी को जन्म इसीलिए दिया है ताकि हम इस संसार में अच्छे कार्य करके समाज में फैली बुराइयों को दूर करें।
9. किसी भी निर्बल व्यक्ति पर कभी अपनी तलवार चलाने के लिए उतावले मत होइए, वर्ना विधाता आप का ही खून बहाएगा।
10. गुरु गोविंद सिंह जी के अनुसार इंसान से प्रेम करना ही, ईश्वर की सच्ची आस्था और भक्ति है।
11. सच्चे गुरु की सेवा करते हए ही आपको संपूर्ण शांति की प्राप्ति होगी तथा जन्म और मृत्यु के सभी कष्ट मिट जाएंगे।
12. ईश्वर ही स्वयं क्षमाकर्ता है।
13. इंसान का स्वार्थ ही अनेक अशुभ विचारों को जन्म देता है।
14. गोविंद सिंह जी कहते हैं अपनी जीविका चलाने के लिए ईमानदारीपूर्वक काम करें।
15. गुरु के बिना किसी को भी भगवान का नाम नहीं मिला है।

# बैसाखी के दिन हुई थी खालसा पंथ की स्थापना, जानिए 5 खास बातें

13 अप्रैल 1699 को दसवें गुरु गोविंदसिंहजी ने खालसा पंथ की स्थापना की थी। उस समय बैसाखी का पर्व भी था। यानी बैसाखी के दिन उन्होंने खालसा पंथ की स्थापना की थी। पंजाब और हरियाणा के किसान सर्दियों की फसल काट लेने के बाद नए साल की खुशियां मनाते हैं। यह रबी की फसल के पकने की खुशी का प्रतीक है। बैसाखी नाम वैशाख मास से पड़ा है क्योंकि यह त्योहार इसी माह में आता है।

1. सिख धर्म के लोग इस त्योहार को सामूहिक जन्मदिवस के रूप में मनाते हैं। दसवें गुरु जी ने धर्म, समाज और देखा की रक्षार्थ 1699 ई. में खालसा पंथ की स्थापना की।
2. पंच प्यारे खालसा पंथ से जुड़े हैं। कहते हैं कि गुरु गोविंद सिंह के समय मुगल बादशाह औरंगजेब का आतंक जारी था। तब उन्होंने इन पंच प्यारों को गुरुजी ने अमृत (अमृत यानि पवित्र जल जो सिख धर्म धारण करने के लिए लिया जाता है) चखाया। इसके बाद इसे बाकी सभी लोगों को भी पिलाया गया। इस सभा में हर जाती और संप्रदाय के लोग मौजूद थे। सभी ने अमृत चखा और खालसा पंथ के सदस्य बन गए।
3. बाबा बुड्ढ़ा ने गुरु हरगोविंद को 'मीरी' और 'पीरी' दो तलवारें पहनाई थीं। युद्ध की दृष्टि से गुरुजी ने केसगढ़, फतेहगढ़, होलगढ़, अनंदगढ़ और लोहगढ़ के किले बनवाएं। पौंटा साहिब आपकी साहित्यिक गतिविधियों का स्थान था। कहते हैं कि उन्होंने मुगलों या उनके सहयोगियों के साथ लगभग 14 युद्ध लड़े थे। इसीलिए उन्हें 'संत सिपाही' भी कहा जाता था। वे भक्ति तथा शक्ति के अद्वितीय संगम थे।
4. पंच प्यारे का नाम-
   1. भाई दया सिंह
   2. भाई धर्म सिंह
   3. भाई हिम्मत सिंह
   4. भाई मुखाम सिंह
5. बैसाखी का पर्व मुख्य रूप से या तो किसी गुरुद्वारे या फिर किसी खुले क्षेत्र में मनाया जाता है, जिसमें लोग भांगड़ा और गिद्दा नृत्य करते हैं। अंत में लोग लंगर चखते हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

# स्प्रिंग वैली परिवार द्वारा आदिवासी क्षेत्र के १५ जरूरतमंद जोडों का सामुहिक विवाह समारोह

## मकरसंक्रांती अवसर पर कन्यादान जैसा महानदान करके धन्याता का अनुभव करता स्प्रिंग वैली परिवार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत। सूरत के वेसू न्यु सिटीलाईट क्षेत्र में जीयोमेक्स अस्पताल के पास स्प्रिग वैली सोसायटी की योर से पंद्रह जोडो का सामुहिक विवाह कराया गया। डांग जिले के आदिवासी क्षेत्र की गरीब और जरूरत मंद परिवार की बच्चीओं का उनके परिवारजनों की उपस्थिति में १४ जनवरी मकरसंक्रांति की संध्या पर सामुहिक विवाह कराया गया। स्प्रिग वैली के अध्यक्ष अनिल जैन ने जानकारी देते हुए कहा कि सामुहिक विवाह में १५ जोडो की शादी कराई गई है जो पिछले साल ११ जोडों की शादी कराई थी। यह प्रेरणा हमें हमारी भाभी जी प्रेमाजी गुप्ता द्वारा दी गई। उसके बाद

हमारे सेवा कार्य की शुरूआत हुई जिसमें पुरी सोसायटी का सहयोग योगदान मिल रा है। सामुहिक विवार के दौरान १५ जोडों के साथ २०-२० लोग और सोसायटी के सदस्य सहित ५५० लोगों के भोजन की व्यवस्था की है। अगले साल इससे अधिक संख्या में बहुत अच्छे से सामुहिक विवाह का यह कार्यक्रम करते रहने का संकल्प लिया है। डांग जिले के आदिवासी क्षेत्र से १५ जोडो को गृहस्थ जिवन के लिए जरूरी अनाज, बर्तन, अलमारी, कुलर सहित सभी चीज वस्तुए दिया जाता है। अंदाजतन दस से बारह लाख रूपये के खर्च पर यह सामुहिक विवाह किया गया है।

प्रेमा भाभी, मंजु झंवरजी ने मिलकर हमे जो काम बताया उसे हमने सेवाकार्य का संकल्प मान लिया है। हमारी सोसायटी ने १०-१५ जोडे का सामुहिक विवाह करने की शुरूआत की है जो आगे बडे विशाल स्तर पर किया जा सकता है। एक सोसायटी की ओर से इस प्रकार का सामाजिक कार्य करना बहुत बड़ी बात है जिससे अन्य सोसायटी को प्रेरणा मिल सकती है।

गरीब और जरूरतमंदों को हम दान, धर्मदा, सहायता करते है मगर वास्तव में जो सबसे बड़ा दान है वह पैसों का नही मगर कन्यादान का है। गरीब परिवारों की कन्याओं की शादी के लिए आर्थिक सहयोग देने के लिए स्प्रींग वेली सोसायटी के सभी सदस्य एकजुट है।

मंजु झंवर ने कहा की महेंदीपुर बालाजी मंदिर में एक जरूरतमंद बच्ची की शादी करवाई तभी मुझे इस प्रकार के सेवा कार्य करने की प्रेरणा मिली । इश्वर ने चाहा तो अगले साल २१ या ३१ जोडों की सामुहिक शादी कराने की तैयारी है। हर साल इस प्रकार के सामाजिक कार्य करने की इच्छा है। कानुनी प्रक्रिया से बचने के लिए हम उन्ही जोडों की शादी कराते है जिन जोडों के परिवारों ने सहमती दी होती है और उनकी सगाई हो चुंकी होती है।

# बुनकरों से १.३८ करोड़ की धोखाधड़ी में धोखाधड़ी करने वाला कारोबारी पकड़ा गया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में एक बदमाश व्यापारी ने बुनकरों से ग्रे-कपड़े का सामान खरीदने के बाद भुगतान किए बिना हाथ खड़े कर दिए। इसलिए विवर्स ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई और क्राइम ब्रांच पुलिस ने ठग कुशल इम्पेक्स फर्म के मालिक को गिरफ्तार कर लिया। क्राइम ब्रांच के मुताबिक, एनडीपीएस और आर्म्स स्क्वाड टीम के जवानों ने एक सूचना के आधार पर गिरीश गुलाबसिंह पारख (उम्र ४२, आकाशविहार अपार्टमेंट भटार रोड, मूल निवासी जोधपुर राजस्थान) को सूरत के घोडदौड रोड इलाके से पकड़ा। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी गिरीश पारख ने कबूल किया कि वह सलाबतपुरा इलाके में कुशल इम्पेक्स के नाम से कारोबार कर रहा है। कपड़ा दलाल राकेश कांतिलाल पटेल और जयेश कांतिलाल पटेल के साथ मिलकर नम्य टेक्स, प्रांशु टेक्स, राही टेक्स और ध्यान टेक्स के प्रदीप चकलासिया नामक बुनकरों से ग्रे कपड़े का माल खरीदने के बाद माल का १.३८ करोड़ रुपये नहीं देकर धोखाधड़ी की। गिरीश पारख सूरत के सलाबतपुरा पुलिस स्टेशन के अपराध के साथ-साथ तमिलनाडु के डिंडीगुल जिले के डीसीबी में धोखाधड़ी के एक मामले में वांछित था। इसके अलावा उसके खिलाफ सलाबतपुरा में तीन और एक चेक रिटर्न का मामला दर्ज है।

# श्री कांठा चीनी मिल के सदस्यों द्वारा २२ जनवरी को राम धून की अनुमति मांगी गई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत। ओलपाड के सरस गांव स्थित श्री कांठा चीनी मिल में प्रबंधन में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और एमडी की लापरवाही के कारण कुप्रबंधन से सदस्यों और किसानों को आर्थिक नुकसान हुआ है। इस संदर्भ में जिला रजिस्टार कार्यालय को ज्ञापन दिए जाने के बाद भी कोई कार्यवाही नही की गई। इस लिए गैर गन्ना उत्पादक सदस्यों द्वारा २२ जनवरी को सूरत जिला रजिस्टार कार्यालय के समक्ष शांति पूर्वक धरना प्रदर्शन के साथ रामधून कार्यक्रम करने की अनुमति मांगी गई।

सूरत जिला रजिस्टार ( सहकारिता मंडली) को सुरेशभाई सुहागीया और महेशभाई केवडीया द्वारा दिए गए ज्ञापन में कहा है कि श्री कांठा प्रभाग सहकारी चीनी उद्योग मंडली लिमिटेड, सरस, ओलपाड, जिला सूरत के गैर-उत्पादक सदस्यों द्वारा सूचित किया जाता है कि श्री कांठा प्रभाग सहकारी चीनी उद्योग मंडली में वित्तीय कठिनाइयों और इस चीनी कारखाने के पदाधिकारियों के कुप्रबंधन के कारण, किसानों और सदस्यों के हित में उचित स्तर पर जांच करने और इसके जिम्मेदार व्यक्तियों के खिलाफ कानूनी जांच करने के लिए एक निष्पक्ष समिति का गठन किया जाए। इस लिए दिनांक ०४/०१/२०२४ को कलेक्टर श्री सूरत एवं जिला रजिस्ट्रार श्री (सहकारी समितियां) सूरत को लिखित रूप से प्रस्तुत किया गया। सदस्यों द्वारा ज्ञापन देने को १० दिनों से अधिक समय हो गया फिर भी हमें नहीं लगता कि प्रशासन द्वारा इस संबंध में कोई ठोस कार्रवाई की गई है। इस लिए हम गैर-गन्ना उत्पादक सदस्यों को आपके कार्यालय पर शांतिपूर्ण धरना करने के लिए कृपया हमें २२-०१-२०२४ के दिन पर शांतिपूर्ण रूप से राम धून की अनुमति दें। अगर आपके कार्यालय से योग्य न्याय नही मिलेगा तो आगामी विधानसभा सत्र के दौरान गैर गन्ना उत्पादक सदस्यों द्वारा रामधून कार्यक्रम किया जायेगा।

# संजीवकुमार ओडिटोरियम में कलरव द्वारा आयोजित "रामजी की निकली सवारी" कार्यक्रम

## रात ९ से १२ बजे तक होने वाले कार्यक्रम के अंत में सामूहिक आरती में ११२५ सदस्य शामिल होंगे

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत। शहर के चिकित्सकों की मानव-कलरव संस्था के अध्यक्ष डॉ.विनोद सी. शाह और डॉ. नितिन गर्ग ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा है कि अयोध्या में राम मंदिर में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा होने जा रही है।५०० सालों के संघर्ष के बाद जो ऐतिहासिक घटना घटीत होने जा रही है उसके साक्षी बनने के लिए हर कोई उत्सुक है। इसी के अनुरूप शहर के संस्कृति-प्रेमी डॉक्टरों का संगठन 'मानव-कलरव' द्वारा मंगलवार १६ जनवरी को रात ९ से १२ बजे तक संजीवकुमार सभागार में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया है। बॉलीवुड के गीतों की मदद से भारतीय संस्कृति की गाथा, भारत देश की परंपरा, यहां के लोगों की विशेषताएं, विभिन्न राज्यों के त्योहार और भगवान श्री रामचन्द्रजी की जीवनी, इतिहास के बारे में बताया जाएगा। १६-०१-२०२४ मंगलवार को 'रामजी की निकली सवारी' के माध्यम से 'कलरव' के सदस्यों के लिए डॉ.. रईश मनियार के बैंड के साथ सुंदर कार्यक्रम प्रस्तुत कर अयोध्या राम मंदिर के उत्साह में अपना योगदान दिया जायेगा।

# चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा सरसाना में १० से १२ फरवरी तक तीन दिवसीय 'हेल्थ एंड वेलनेस एक्सपो' का आयोजन

## एनआरआई/एनआरजी और आम जनता को किस अस्पताल में किस बीमारी का इलाज मिल रहा है इसकी जानकारी के लिए प्रदर्शनी:चैंबर अध्यक्ष रमेश वघासिया

## सूरत में मेडिकल टूरिज्म विकसित करने के चैंबर के पहले प्रयास के तहत 'हेल्थ एंड वेलनेस एक्सपो' का आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

दक्षिण गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री और दक्षिण गुजरात चैंबर व्यापार और उद्योग विकास केंद्र द्वारा 'हेल्थ एंड वेलनेस एक्सपो'-२०१४' की एक भव्य प्रदर्शनी १०/०२/२०२४ से १/०२/२०२४ तक सरसाणा में सूरत अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी और कन्वेंशन सेंटर में आयोजित की जाएगी। इस प्रदर्शनी का समय प्रातः १०ः०० बजे से सायं ६ः०० बजे तक रहेगा।

चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष रमेश वघासिया ने कहा कि कोरोना के बाद सभी को स्वास्थ्य के महत्व का एहसास हुआ है और लोग अब स्वास्थ्य रखरखाव के प्रति जागरूक हैं, स्वास्थ्य से संबंधित उद्योगों, स्टार्ट-अप और उद्यमियों को एक मंच प्रदान करने के तहत, चैंबर ऑफ कॉमर्स ने 'हेल्थ एंड वेलनेस एक्सपो' का आयोजन किया है। ताकि स्वास्थ्य उद्योगों से जुड़े युवा उद्यमी और स्टार्ट-अप सरकार की स्वास्थ्य से संबंधित विभिन्न योजनाओं से अवगत हो सकें और उनका लाभ उठाकर अपने उद्योगों का तेजी से विकास कर सकें। चैंबर ऑफ कॉमर्स इन एक्सपो के माध्यम से दक्षिण गुजरात में स्वास्थ्य उद्योग में एक स्वस्थ वातावरण बनाने का प्रयास करेगा। इसके अलावा, सूरत में चिकित्सा पर्यटन को विकसित करने के चैंबर ऑफ कॉमर्स के प्रयास के तहत भी प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। जब दुनिया के विभिन्न देशों से अनिवासी भारतीय और अनिवासी गुजराती सूरत आते हैं और चिकित्सा उपचार चाहते हैं, तो सूरत के किन अस्पतालों में चिकित्सा पर्यटन है, इसकी विस्तृत जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से भी यह प्रदर्शनी आयोजित की है। सूरत में चिकित्सा क्षेत्र में विशेष चिकित्सा कौशल, विशेष रोबोट और अच्छी चिकित्सा सेवाओं की उपलब्धता की जानकारी एनआरआई, एनआरजी और देश के अन्य लोगों तक पहुंचाई जा सकेगी।

चैंबर के उपाध्यक्ष विजय मेवावाला ने कहा कि इस प्रदर्शनी के माध्यम से न केवल चिकित्सा संसाधनों के निर्माताओं एवं सेवा प्रदाताओं को सीधा बाजार उपलब्ध कराना है, बल्कि इस प्रदर्शनी के कारण चिकित्सा उपचार के प्रति जन जागरूकता विकसित होगी और चिकित्सा प्रोफेशन को भी इससे लाभ होगा।

सूरत सहित दक्षिण गुजरात में कौन सा अस्पताल किस बीमारी के इलाज में विशेषज्ञता रखता है? इसकी जानकारी आम लोगों को होगी। जिससे उन्हें संबंधित बीमारी के इलाज के लिए संबंधित अस्पताल ले जाया जाएगा।

'हेल्थ एंड वेलनेस एक्सपो-२०२४' के चेयरपर्सन डॉ. पारूल वडगामा ने कहा, अगर हम इस एक्सपो में भाग लेने वाले प्रदर्शकों पर नजर डालें तो अस्पताल, डॉक्टर, नर्सिंग होम, लैब (डायग्नोस्टिक सेंटर), बायोमेडिकल कंपनियां, अस्पताल फर्नीचर, आयातक और निर्यातक, फार्मा कंपनियां, बीमा कंपनियां, मेडिकल आर्किटेक्ट, मेडिकल / अस्पताल सलाहकार, चिकित्सा पर्यटन, आयुर्वेद, होम्योपैथिक, फिजियोथेरेपी केंद्र, आईवीएफ केंद्र, बेरिएट्रिक सर्जरी, दर्द प्रबंधन, गृह देखभाल सेवा प्रदाता, कल्याण केंद्र, पोषण, नैदानिक अनुसंधान, विपणन कंपनियां, जिम - हेल्थ क्लब, योग कक्षाएं, कल्याण खाद्य उत्पाद, एचआर भर्तीकर्ता - नर्स और कर्मचारी, मेडिकल कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज, फिजियो कॉलेज, पैरामेडिकल कॉलेज, प्रवेश एजेंसियां, ऑडियोलॉजी और हियरिंग एड, मेडिकल लेजर, डेंटल लैब्स, टेलीमेडिसिन रेडियोलॉजी, सॉफ्टवेयर प्रदाता, मेडिकल वित्तीय प्रदाता, ब्लड बैंक, मेडिकल डिवाइस कैलिब्रेशन सेवाएँ, आयुष और वैकल्पिक उपचार केंद्र, चिकित्सा क्षेत्र में आईटी और मानसिक स्वास्थ्य सेवा प्रदाता का समावेश किया गया है।